तापमान

अधिकतम-31⁰C

न्यूनतम-18⁰C

प्रयाग दर्पण

प्रयागराज से प्रकाशित व सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश में प्रसारित

जनसेवा संकल्प रैली में बोले अखिलेश यादव 3

इंदिरा मैराथन को खेल मंत्री ने हरी झंडी दिखाकर किया 4

वर्ष : 09 अंक : 225 प्रयागराज, सोमवार 20 नवम्बर 2023 www.prayagdarpanlive.com हिन्दी दैनिक पृष्ठ : 4 मूल्य: 3 रूपये

जब लाल डायरी का पन्ना खुलता है तो अशोक गहलोत का फ्यूज उड़ जाता हैं : पीएम

बीजेपी की सरकार बनने पर सबका चुकता किया जायेगा हिसाब-मोदी

चुरु। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजस्थान की कांग्रेस सरकार पर भ्रष्टाचार, तुष्टिकरण की राजनीति करने एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने में विफल रहने का आरोप लगाते हुए विश्वास दिलाया है कि विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार बनने पर सबका हिसाब चुकता किया जायेगा जिन्होंने राजस्थान को लूटा हैं।श्री मोदी रविवार को राजस्थान के चुरु में भाजपा प्रत्याशी राजेन्द्र सिंह राठौड़ के समर्थन में चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस के शासन में राजस्थान को गुंडागर्दी, दंगे, महिलाओं एवं दलितों के अत्याचार में देश में अग्रणी बना दिया गया हैं।उन्होंने बहुचर्चित लाल डायरी का जिक्र करते हुए कहा कि लूट की पूरी कहानी इसमें दर्ज है और अब धीरे धीरे इसके पन्ने खुलने लगे हैं। उन्होंने तंज सकते हुए कहा कि जब लाल डायरी का पन्ना खुलता है तो अशोक गहलोत का फ्यूज उड़ जाता हैं और जादूगर की जादूगिरी लाल डायरी में दिखने लगी हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में लॉकर खुल रहे है और उससे नोटों के ढेर और सोना निकल रहा है जो जनता के पैसों से चोरी करके यह बेइमानी की कमाई है। उन्होंने विश्वास दिलाते हुए कहा कि भाजपा सरकार बनने के बाद इन सबका हिसाब चुकता किया जायेगा, जिन्होंने राजस्थान को लूटा हैं और उन्हें लौटाना ही पड़ेगा ।श्री मोदी ने राजस्थान की भूमि को वीरों एवं तपोभूमि बताते हुए कहा कि इसे कांग्रेस ने नजर लगा दी हैं और कांग्रेस ने छलने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। उन्होंने कहा कि यहां वीरों को वन रैंक वन पेंशन को दशकों तक अटकाया, लटकाया और इसके लिए खूब तरसाया।उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि इस तपोभूमि पर कांग्रेस के शासन में ईश्वर का नाम लेना भी मुश्किल हो गया है और कांग्रेस अपने शासन में शोभा यात्रा भी नहीं निकलने देती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस देवी देवताओं की यात्राओं पर रोक लगा देती और आतंकवादी संगठन पीएफआई की रैली को बढवा देती है। श्री मोदी ने इस चुनाव में कांग्रेस का सफाया करने का आह्वान करते हुए कहा कि राजस्थान की संस्कृति की रक्षा के लिए कांग्रेस सरकार को हटाना बहुत जरुरी हो गया है। उन्होंने एक मंत्री के दुष्कर्म मामलों में बयान राजस्थान मर्दों का प्रदेश का जिक्र करते कहा कि यह राजस्थान के मर्दों का अपमान हैं कि कांग्रेस के मंत्री बेशर्मी से कह रहे है कि महिला बलात्कार इसलिए हो रहे कि यह मर्दों का प्रदेश हैं। उन्होंने कहा कि मर्द तो महिला की सुरक्षा के लिए अपना सिर कटवा देते हैं ।

स्मृति ईरानी ने भोजपुरी अंदाज में लोगों को दी छठ की शुभकामना

अमेठी। केंद्रीयमंत्री स्मृति ईरानी ने लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा के अवसर पर लोगों को भोजपुरी अंदाज में रविवार को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने ट्वीट किया सूर्योपासना आउर लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा के रउवा सब के हार्दिक शुभकामना। आगे उन्होंने लिखा है कि भगवान भास्कर आउर छठी मईया हम सबके जीवन में सुख, समृद्धि आउर आरोग्य के आशीर्वाद दें, इहे कामना करत बानी।÷ उन्होंने अपने संदेश के साथ एक वीडियो भी पोस्ट किया है। लोक आस्था का महापर्व छठ का आज यानी रविवार को तीसरा दिन है। आज के दिन छठ व्रती 36 घंटे का व्रत रखते हुए शाम के समय में डूबते सूर्य को पहला अर्घ्य देते हैं।अमेठी सांसद एवं केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने देशवासियों को छठ पूजा की शुभकामनाएं दी है। केंद्रीय मंत्री ने अपनी पोस्ट में आगे लिखा भगवान भास्कर आउर छठी मईया हम सबके जीवन में सुख, समृद्धि आउर आरोग्य के आशीर्वाद देस, इहे कामना करत बानी। जय छठी मईया!

भारत की पहली महिला पीएम इंदिरा गांधी की जयंती पर पीएम मोदी समेत कई बड़े नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार (19 नवंबर) को पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को उनकी 105वीं जयंती पर श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर कई कांग्रेस नेताओं ने भी उन्हें याद किया, जिसके तहत पार्टी नेता मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी ने शक्ति स्थल जाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने खड़गे ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि इंदिरा गांधी ने देश के लिए अपना सब कुछ बलिदान कर दिया. भारत की पहली महिला प्रधान मंत्री और हमारी आदर्श इंदिरा गांधी को उनकी जयंती पर हमारी विनम्र श्रद्धांजलि। भारत की एकता और अखंडता को बनाए रखने और हमारे देश को मजबूत और प्रगतिशील बनाने में, उन्होंने लगातार भारत के लिए कुशल नेतृत्व, सच्ची निष्ठा और दृढ़ इच्छाशक्ति का प्रदर्शन किया और देश के लिए अपना सब कुछ बलिदान कर दिया। राहुल गांधी ने अपनी दादी इंदिरा गांधी को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि वह लोगों के लिए प्रधानमंत्री थीं, लेकिन उनके लिए वह दादी और शिक्षिका थीं।भारत के लिए, एक जन नेता, प्रधान मंत्री। मेरे लिए, मेरी दादी, मेरी शिक्षिका। देश और जनता के प्रति समर्पण के आपके द्वारा सिखाए गए मूल्य मेरे हर कदम की ताकत हैं, मेरी सोच की ताकत हैं!इंदिरा गांधी का जन्म 19 नवंबर, 1917 को हुआ था। इंदिरा गांधी भारत की राजनीति में एक ऐसा नाम है, जिनका व्यक्तित्व और कृतित्व सदा चर्चा में रहा। देश की पहली और एकमात्र महिला प्रधानमंत्री के तौर पर उन्होंने ऐसे कई फैसले लिए, जिनकी वजह से मोरारजी देसाई द्वारा ''गूंगी गुड़ियाश् कही गई इंदिरा 'आयरन लेडी के तौर पर उभरीं। जवाहरलाल नेहरू और कमला नेहरू के यहां 19 नवंबर, 1917 को जन्मी कन्या को उसके दादा मोतीलाल नेहरू ने इंदिरा नाम दिया और पिता ने उसके सलोने रूप के कारण उसमें प्रियदर्शिनी भी जोड़ दिया।फौलादी हौसले वाली इंदिरा गांधी ने लगातार तीन बार और कुल चार बार देश की बागडोर संभाली। सियासत की माहिर इंदिरा के कुड फैसले विवादित भी रहे। प्रधानमंत्री के रूप में उनकी सिफारिश पर देश में लगाए गए आपातकाल को उन्हीं फैसलों में गिना जाता हैं, जिसकी वजह से उन्हें अपनी सत्ता से भी हाथ धोना पड़ा और एक अन्य विवादित फैसला उनकी मौत की वजह बना। जून 1984 में अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में सैन्य कार्रवाई की कीमत उन्हें अपने सिख अंगरक्षकों के हाथों जान गंवाकर चुकानी पड़ी।

योगी ने बांके बिहारी के दर्शन किए,लोगों ने छतों से बरसाए फूल

मथुरा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को मथुरा पहुंचे। यहां सीएम ने सबसे पहले बांके बिहारी जी के दर्शन किए। मंदिर से निकलने के बाद लोगों ने छतों पर खड़े होकर योगी आदित्यनाथ पर फूल बरसाए। नारे लगाए- देखो, देखो कौन आया....भारत मां का शेर आया। इसके बाद मुख्यमंत्री मदन मोहन जी के दर्शन करने पहुंचे। यहां पुजारी से मंदिर के बारे में जानकारी ली। इसी मंदिर में पीएम मोदी 23 नवंबर को दर्शन करने पहुंच सकते हैं। इससे पहले सीएम ने व्यवस्थाओं के बारे में भी पुजारी से पूछा। दरअसल, 14 से 27 नवंबर तक ब्रज रज उत्सव का कार्यक्रम चल रहा है। 23 नवंबर को मीरा बाई की 525वीं जयंती है। सांसद हेमा मालिनी कार्यक्रम में परफॉर्म करेंगी। इस मौके पर पीएम मोदी के आने का कार्यक्रम प्रस्तावित है। पीएम के आने की अधिकारी तैयारी कर रहे हैं। उन्हीं तैयारियों का जायजा लेने आज योगी मथुरा पहुंचे हैं। बांके बिहारी के दर्शन करने के बाद सीएम मदन मोहन जी मंदिर जा रहे थे। इसी दौरान एक बच्ची गायत्री ने राधे राधे और जय श्री राम कहा। जिसे सुनकर मुख्यमंत्री रुक गए और उसे दुलारते हुए पूछा क्या नाम है। इसके बाद फिर सीएम का काफिला आगे बढ़ गया। सीएम योगी सुबह 11 बजे वृंदावन में स्थित पवन हंस हैलीपेड पर पहुंचें। यहां से वह सड़क मार्ग से होते हुए बांके बिहारी जी मंदिर पहुंचे। मंदिर में वह 15 मिनट तक भगवान बांके बिहारी का दर्शन पूजन किए। इसके बाद कार्यक्रम स्थल की ओर गए। जहां ब्रज तीर्थ विकास परिषद के कार्यालय पर 2 बजे अधिकारियों के साथ मीटिंग करेंगे। प्रधानमंत्री का आधिकारिक कार्यक्रम अभी प्रशासन को नहीं मिला है। लेकिन संभावना जताई जा रही है कि पीएम मथुरा आएंगे। यहां वह पहले श्री कृष्ण जन्मभूमि और द्वारिकाधीश के दर्शन करेंगे। इसके बाद उनका काफिला वृंदावन पहुंचेगा। जहां वह प्राचीन मंदिर मदन मोहन जी और भगवान बांके बिहारी के दर्शन करेंगे। वह रेलवे ग्राउंड पर आयोजित ब्रज रज उत्सव में मीरा बाई पर आधारित कार्यक्रम में हेमा मालिनी द्वारा दी जाने वाली प्रस्तुति को देखेंगे। संभावना है कि प्रधानमंत्री रात को मथुरा में ही रुकें।

खबरें एक नजर में

रामपुर में दो गो तस्करों की पुलिस से मुठभेड़, एक की मौत एक घायल

रामपुर। उत्तर प्रदेश रामपुर जिले में पुलिस मुठभेड़ में कथित तौर पर गोकशी में लिप्त एक बदमाश की गोली लगने से मौत हो गई और दूसरा घायल हो गया। रामपुर के पुलिस अधीक्षक (एसपी) राजेश द्विवेदी ने बताया कि पिछले दिनों थाना पटवाई क्षेत्र में एक गोकशी की घटना हुई थी जिसमें अपराधियों की धरपकड़ के लिए पुलिस जुटी थी। इस बीच पटवाई पुलिस को सूचना मिली कि शनिवार देर रात मुरादाबाद की तरफसे एक गाड़ी आने वाली है जिसमें गोकशी करने वाले बदमाश होंगे। एसपी ने बताया कि इस सूचना के मद्देनजर पटवाई पुलिस द्वारा चेकिंग की जा रही थी, इस दौरान मुरादाबाद की ओर से शाहबाद होते हुए तेज गति से एक कार आई पर पुलिस को तैनात देखकर उसमें सवार लोग कार मोड़कर भाग गए। उन्होंने कहा कि पुलिस ने कार का पीछा किया। लेकिन आगे जाकर कार थाना मिलक क्षेत्र में तेज गति होने के कारण अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खेत में पलट गई। उन्होंने कहा कि इसके बाद कार में बैठे दो बदमाशों ने गाड़ी से निकलकर पुलिस पर गोलीबारी शुरू कर दी। पुलिस ने बताया कि जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोलीबारी की जिसमें दोनों बदमाशों को गोली लगी है। दोनों बदमाशों को तत्काल जिला अस्पताल ले जाया गया जहां एक बदमाश की उपचार के दौरान मौत हो गई। मृत बदमाश की पहचान साजिद (23) के रूप में की गयी है और दूसरा बदमाश बबलू घायल है, जिसका अस्पताल में उपचार चल रहा है। एसपी के मुताबिक, दोनों ही बदमाश मुरादाबाद के रहने वाले हैं और दोनों का ही आपराधिक इतिहास काफी पुराना है। उन्होंने बताया कि मृत बदमाश के शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया है।

विश्वकप के फाइनल मुकाबले में फिलिस्तीन समर्थक मैदान में घुसा

अहमदाबाद। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच रविवार को यहां नरेंद्र मोदी स्टेडियम में विश्व कप 2023 का फाइनल एक प्रशंसक के कारण बाधित हो गया। प्रशंसक , जिसने एक टी-शर्ट पहन रखी थी जिस पर आगे की तरफ फिलिस्तीन पर बमबारी बंद करो और पीछे की तरफ फ्री फिलिस्तीन लिखा हुआ था, उसने कथित तौर पर खेल के मैदान में प्रवेश करने के बाद भारत के बल्लेबाज विराट कोहली को गले लगाने का प्रयास किया। कोहली भी प्रशंसक से नाखुश दिखे क्योंकि सुरक्षाकर्मी तुरंत हरकत में आए और उसे पकड़ लिया।

वित्त मंत्रालय ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को साइबर सुरक्षा मजबूत करने को कहा

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने यूको बैंक में हाल ही में हुई घटना को ध्यान में रखते हुए सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों से अपने डिजिटल संचालन से संबंधित प्रणालियों और प्रक्रियाओं की समीक्षा करने को कहा है। सूत्रों के मुताबिक, मंत्रालय ने बैंकों को सलाह दी है कि वे अपनी साइबर सुरक्षा की मजबूती की जांच करें और उसे मजबूत करने के उपाय करें। सूत्रों ने कहा कि बैंकों को कड़ी निगरानी रखनी चाहिए और भविष्य के साइबर खतरों के लिए तैयार रहना चाहिए। वित्तीय क्षेत्र में बढ़ते डिजिटलीकरण के बीच वित्त मंत्रालय और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) नियमित अंतराल पर बैंकों को इस बारे में जागरूक करते रहे हैं। पिछले हफ्ते सार्वजनिक क्षेत्र के यूको बैंक में तत्काल भुगतान सेवा (आईएमपीएस) के माध्यम से कुछ लोगों के खातों में गलत तरीके से 820 करोड़ रुपए चले गए थे। आईएमपीएस मंच का संचालन नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) द्वारा किया जाता है। आईएमपीएस दो बैंकों के बीच तत्काल धन हस्तांतरण वाली प्रणाली है। यूको बैंक ने शेयर बाजार को बताया है कि उसने सक्रियता से कदम उठाकर भुगतान पाने वालों के खातों पर रोक लगा दी और 820 करोड़ रुपए में से 649 करोड़ रुपए की वसूली करने में सक्षम रहा। यह गलत ढंग से भेजी गई कुल राशि का करीब 79 प्रतिशत है। हालांकि यूको बैंक ने अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि यह तकनीकी खराबी मानवीय त्रुटि के कारण हुई या 'हैकिंग के प्रयास के कारण ऐसा हुआ।

गहलोत ने भाजपा पर कसा शिकंजा, कहा- भाजपा के पास ईडी है, तो हमारे पास 'गारंटी है

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी पर चुनावों में राजनीतिक लाभ के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और आयकर विभाग का दुरुपयोग करने का आरोप लगाते हुए रविवार को कहा कि उनके पास ये एजेंसियां हैं तो कांग्रेस के पास लोगों के लिए गारंटी है। गहलोत ने सत्तारूढ़ कांग्रेस द्वारा राज्य की जनता को दी जा रही सात गारंटियों की ओर इशारा करते हुए कहा,''उनके पास ईडी है और हमारे पास हमारी गारंटी हैं। कांग्रेस ने राज्य में सात गारंटी की घोषणा करते हुए कहा है कि दोबारा सत्ता में आने पर वह इन्हें लागू करेगी। इन सात गारंटी में परिवार की महिला मुखिया को 10,000 रुपये की वार्षिक सम्मान राशि देना, 1.05 करोड़ परिवारों को 500 रुपये में रसोई गैस सिलेंडर देना, पशुपालकों से दो रुपये प्रति किलो की दर से गोबर की खरीद करना, सरकारी कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना का कानून बनाना, सरकारी कॉलेजों में प्रवेश लेने वाले छात्रों को टैबलेट या लैपटॉप देना और प्राकृतिक आपदा से होने वाले नुकसान की भरपाई के लिए प्रति परिवार 15 लाख रुपये तक का बीमा कवर प्रदान करना शामिल है।पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद गहलोत ने यहां कांग्रेस मुख्यालय में मीडिया से बात की और कहा कि राज्य में कांग्रेस नेताओं को बदनाम करने के लिए भाजपा द्वारा ईडी और आयकर विभाग जैसी एजेंसियों का दुरुपयोग किया जा रहा है। उन्होंने सवाई माधोपुर सीट से चुनाव लड़ रहे भाजपा के राज्यसभा सदस्य किरोड़ी लाल मीणा पर ईडी और आयरकर विभाग में फर्जी शिकायतें करने का आरोप लगाया। गहलोत ने आरोप लगाया,'' पिछले साल भर से राजस्थान में ईडी और मीणा की मिलीभगत से काम हो रहा है। झूठी शिकायत की जा रही हैं। वे गाइड करते हैं ईडी को। तो उनके पास ईडी है हमारे पास गारंटी हैं। उन्होंने कहा कि जनता सब समझ रही है और इस बार सबक सिखाएगी।

कल से खुल रहे दिल्ली के सभी स्कूल, वायु प्रदूषण में मामूली सुधार

नई दिल्ली। दिल्ली में 20 नवंबर से सभी कक्षाओं के लिए स्कूल खुल रहे हैं। बढ़ते वायु प्रदूषण के कारण दिल्ली के सभी स्कूल बंद करने पड़े थे। हालांकि, अब वायु प्रदूषण में मामूली सुधार दर्ज किया गया है। दिल्ली सरकार के शिक्षा निदेशालय द्वारा जारी आदेश के मुताबिक दिल्ली के सभी सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त और प्राइवेट स्कूलों में सोमवार से नियमित कक्षाएं शुरू होंगी। छोटे बच्चों की शुरुआती कक्षाओं से लेकर 12वीं कक्षा तक सभी छात्रों के लिए यह कक्षाएं शुरू हो रही हैं। हालांकि, दिल्ली में वायु प्रदूषण की स्थिति को देखते हुए अभी स्कूलों के अंदर आउटडोर खेल, असेंबली व अन्य गतिविधियों की इजाजत नहीं दी गई है। शिक्षा निदेशालय वायु प्रदूषण की स्थिति को बारीकी से देख रहा है। निदेशालय के मुताबिक अभी एक सप्ताह तक स्कूलों में आउटडोर खेल गतिविधियां और सुबह की सभाएं आयोजित नहीं की जाएंगी। गौरतलब है कि दिवाली से पहले शिक्षा निदेशालय ने 9 से 18 नवंबर तक स्कूलों की छुट्टी घोषित कर दी थी। दिल्ली में वायु प्रदूषण सूचकांक 500 के आसपास पहुंचने के कारण शिक्षा निदेशालय ने विंटर ब्रेक यानी सर्दियों की छुट्टी घोषित करने का निर्णय लिया था। शिक्षा निदेशालय द्वारा जारी आदेश के बाद 9 से 18 नवंबर तक दिल्ली के सभी स्कूल बंद रहे। राष्ट्रीय राजधानी में वायु प्रदूषण की लगातार बिगड़ती स्थिति को देखते हुए सरकार ने समय से पहले सर्दी की छुट्टी घोषित करने का निर्देश दिया था। अमूमन यह छुट्टियां दिसंबर-जनवरी में तेज ठंड पड़ने के दौरान दी जाती हैं। लेकिन दिल्ली में प्रदूषण की मौजूदा स्थिति को देखते हुए पूर्व निर्धारित दिसंबर-जनवरी के विंटर ब्रेक को पहले ही घोषित कर दिया गया। इस निर्णय से पहले 5 नवंबर को सरकार ने 5वीं कक्षा तक के प्राथमिक स्कूल 10 नवंबर तक बंद रखने का निर्णय लिया था। फिर बाद में प्राइमरी स्कूलों की छुट्टियां भी विस्तारित कर दी गई। सरकार का कहना है कि दिल्ली-एनसीआर की हवा में प्रदूषण के स्तर में थोड़ा सुधार हुआ है। कमिशन फॉर एयर क्वॉलिटी मैनेजमेंट ने शनिवार को ग्रेडेड रेस्पॉन्स एक्शन प्लान (ग्रैप) 4 की पाबंदियों को भी हटा दिया है।

भीषण सड़क हादसे में 6 पुलिसकर्मियों की मौत, एक अन्य घायल

चुरू राजस्थान के चुरू जिले के सुजानगढ़ थाना क्षेत्र में रविवार सुबह एक भीषण सड़क हादसे में छह पुलिसकर्मियों की मौत हो गई जबकि एक अन्य घायल हो गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत व राज्य के पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा ने सड़क दुर्घटना में पुलिसकर्मियों की मृत्यु पर गहरा शोक व्यक्त किया पुलिस महानिदेशक ने एक बयान में बताया कि झुंझुनूं में ड्यूटी पर जा रहे सात पुलिसकर्मियों की गाड़ी हाइवे पर ट्रोले से टकराई।इसमें छह पुलिसकर्मियों की मौत हो गई। हादसे में नागौर जिले के खींवसर थाना के पुलिसकर्मी रामचंद्र, कुंभाराम, थानाराम, लक्ष्मण सिंह और सुरेश की मौके पर ही मौत हो गई और कांस्टेबल सुखराम और हेड कांस्टेबल सुखराम घायल हो गये। घायलों को 'ग्रीन कॉरिडोर से जोधपुर एसडीएम अस्पताल के लिए ले जाया गया, लेकिन रास्ते में ही कांस्टेबल की मौत हो गई, लेकिन हेड कांस्टेबल सुखराम का उपचार जारी है। उन्होंने बताया कि पुलिस महानिरीक्षक को घायलों का समुचित उपचार की व्यवस्था करने के निर्देश दिये गये हैं। चुरू के जिला पुलिस अधीक्षक प्रवीण

सुरंग में फंसे 41 श्रमिकों को मल्टीविटामिन, अवसादरोधी दवाएं और मेवे भेज रही है सरकार - अधिकारी

नई दिल्ली। सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग सचिव अनुराग जैन ने रविवार को कहा कि सरकार उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में निर्माणाधीन सुरंग के ढहने के बाद उसमें पिछले सात दिनों से फंसे 41 श्रमिकों को मल्टीविटामिन, अवसादरोधी दवाओं के साथ ही सूखे मेवे भेज रही है। जैन ने कहा, ''सौभाग्य से, अंदर रोशनी है क्योंकि बिजली चालू है। वहां एक पाइपलाइन है और इसलिए पानी उपलब्ध है। चार इंच की एक पाइप है, जिसका उपयोग 'कंप्रेशन (दबाव) के लिए किया गया था। उसके माध्यम से, हम पहले दिन से खाद्य सामग्री भेज रहे हैं। जैन ने उत्तरकाशी सुरंग बचाव अभियान पर अद्यतन जानकारी मुहैया कराने के लिए एक वीडियो जारी किया। उन्होंने कहा कि सुरंग के अंदर दो किलोमीटर के हिस्से में पानी और बिजली उपलब्ध है, जो उत्तरकाशी के सिल्क्यारा में 4.531 किलोमीटर लंबी दो लेन वाली सुरंग का तैयार हिस्सा है। उन्होंने कहा, हम उत्तरकाशी के सिलक्यारा में निर्माणाधीन सुरंग के अंदर फंसे श्रमिकों को मल्टीविटामिन, अवसादरोधी दवाएं और सूखे मेवे भेज रहे हैं। उत्तरकाशी जिला मुख्यालय से करीब 30 किलोमीटर की दूरी पर स्थित सिलक्यारा सुरंग केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी चारधाम 'आलवेदर सड़क (हर मौसम में आवाजाही के लिए खुली रहने वाली सड़क) परियोजना का हिस्सा है। सुरंग का निर्माण राष्ट्रीय राजमार्ग और बुनियादी ढांचा विकास निगम लिमिटेड (एनएचआईडीसीएल) के तहत किया जा रहा है। निर्माणाधीन सुरंग का सिलक्यारा की ओर से मुहाने से 270 मीटर अंदर करीब 30 मीटर का हिस्सा पिछले रविवार सुबह करीब साढ़े पांच बजे ढह गया था और तब से श्रमिक उसके अंदर फंसे हुए हैं। उन्हें निकालने के लिए युद्धस्तर पर बचाव एवं राहत अभियान चलाया जा रहा है। बचाव अभियान शुक्रवार दोपहर को निलंबित कर दिया गया था जब श्रमिकों के लिए निकलने का मार्ग तैयार करने के लिए ड्रिल करने के वास्ते लगायी गई अमेरिका निर्मित ऑगर मशीन में खराबी आ गई जिससे चिंता बढ़ गई। जब तक ड्रिलिंग रोकी गई, तब तक ऑगर मशीन सुरंग के अंदर 60 मीटर क्षेत्र में फैले मलबे के माध्यम से 24 मीटर तक ड्रिल कर चुकी थी। केंद्र सरकार ने शनिवार को एक उच्च स्तरीय बैठक की थी, जिसमें श्रमिकों को बचाने के लिए पांच विकल्पों पर विभिन्न एजेंसियों के साथ चर्चा की गई।

चुनावी हिंसा और चुनाव आयोग

मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में चुनाव पूरे हो चुके हैं। जाहिर है इन राज्यों में मतदान चुनाव आयोग की निगरानी में ही हुआ है। चुनावों को बेशक कमोबेश शान्तिपूर्ण बताया गया परन्तु मध्य प्रदेश में कुछ ऐसी घटनाएं भी हुई हैं जिनकी तरफध्यान देना जरूरी है क्योंकि अभी राजस्थान व तेलंगाना में चुनाव होने हैं। मध्य प्रदेश उत्तर भारत का बहुत शान्तिपूर्ण राज्य माना जाता है हालांकि इसका समाज अर्ध सामन्ती है इसलिए यहां इसका स्वरूप भी इसकी विषैली रूढिय्यों से ग्रस्त रहता है। इसमें बेशक भौतिकवादी दृष्टि का भी समावेश बदलते समय के अनुरूप जरूर हुआ है जैसे कि पिछले दिनों उज्जैन में एक 11 वर्षीय कन्या के साथ बलात्कार की घटना हुई थी और उसकी मदद करने पूरे शहर में कोई भी आगे नहीं आया था किन्तु इसी शहर के बाहरी छोर पर बने एक विद्यालयनुमा आश्रम के संन्यासी दिखने वाले प्रबन्धक की जब उस पर नजर पड़ी तो उसने उसे आश्रय दिया। यह सांस्कृतिक परंपरा का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण था मगर दूसरी तरफ एक आदिवासी नागरिक पर कथित ऊंची जाति के एक पार्टी राजनैतिक नेता ने उस पर सरेआम पेशाब भी किया जो कि अर्ध समन्ती समाज की क्रूरता व विद्रूपता का द्योतक था। मगर चुनावों के दौरान व्यापक हिंसा होने का मध्य प्रदेश में कोई बहुत बड़ा इतिहास प. बंगाल की भांति नहीं है। हां छत्तीसगढ़ में जरूर नक्सली आन्दोलन के चलते हिंसा व चुनावों का बहिष्कार होता आ रहा था जिसे राज्य के मुख्यमन्त्री भूपेश बघेल ने काबू करने में सफलता प्राप्त की। मध्य प्रदेश के चम्बल व ग्वालियर संभाग में भी पूर्व में चुनावी हिंसा समूहगत विद्वेश के चलते होती रही है परन्तु ऐसा पहले कभी नहीं हुआ जो गत शुक्रवार को हुए मतदान के दौरान हुआ। मतदान के समय एक सम्प्रदाय विशेष के लोगों को घंटों लाइन में खड़ा करके उन्हें मतदान करने से वंचित करने के प्रयास किये गये। यह घटना ग्वालियर शहर की दक्षिण सीट पर ही घटी। ऐसे मामले कई और चुनाव क्षेत्रों से भी प्रकाश में आये। इसके अलावा इस अंचल में विभिन्न दलों के प्रत्याशियों तक को मतदान वाले दिन नजरबन्द करना पड़ा और एक-दो प्रत्याशी तो हिंसा में घायल तक हो गये। शारीरिक हिंसा के अलावा नागरिकों को मतदान से वंचित करने के किसी भी हल्के प्रयास को लोकतन्त्र में किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है। यह जघन्य अपराध चुनाव आयोग द्वारा नियुक्त चुनावी मशीनरी के साये तले ही हो सकता है क्योंकि मतदान केन्द्रों पर तैनात कर्मचारियों से लेकर पुलिस-अर्द्धसैनिक बलों तक और पटवारी से लेकर जिला कलेक्टर तक का प्रशासन चुनाव आचार संहिता लगने के बाद चुनाव आयोग के नियन्त्रण में आ जाता है। राज्य में काबिज सरकार का कोई भी कारिन्दा इन दिनों सीधे चुनाव आयोग के प्रति जवाबदेह रहता है। इसकी व्यवस्था भारत के संविधान में बहुत ही पुख्ता तौर पर की गई है। इससे भी ऊपर स्वयं चुनाव आयोग प्रत्येक चुनाव में नागरिकों से अपील करता है कि वे अधिक से अधिक संख्या में मतदान करके लोकतन्त्र को मजबूत बनाये। पहले इस आशय के बड़े-बड़े विज्ञापन भी आयोग अखबारों में दिया करता था। हो सकता है कि इस बार भी मध्य प्रदेश के अखबारों व न्यूज चौनलों में उसने इस प्रकार के इश्तहार दिये हों। प्रत्येक राजनैतिक दल का नेता भी अपनी चुनावी सभाओं का अन्त भी यही कहते करता है कि 'भाइयों-बहनों मतदान वाले दिन भारी संख्या में मतदान करके मेरी पार्टी को जिताइये'। मसलन पूरा लोकतन्त्र ही मतदान पर और नागरिक को मिले एक वोट के संवैधानिक अधिकार पर टिका हुआ है। मगर दुर्भाग्य यह है कि एक ओर चुनाव आयोग बूढेघ् व बुजुर्गों के लिए घर बैठे ही मतदान करने की व्यवस्था करता है और दूसरी तरफनाकारा प्रशासनिक-प्रबन्धकीय व्यवस्था नागरिकों के एक वर्ग के समूहों को ही मतदान से वंचित रखने के कुत्सित प्रयास करती है। वोट का अधिकार गांधी बाबा न किसी व्यक्ति की जाति या धर्म अथवा अमीरी-गरीबी या पुरुष-स्त्री देखकर दिलवा कर गये हैं बल्कि एक समान रूप से हर अमीर-गरीब को बिना किसी भेदभाव के दिलवा कर गये हैं और चुनाव आयोग को बाबा साहेब अम्बेडकर संविधान लिख कर बांध कर गये हैं कि हर वैध नागरिक को वोट देने का अधिकार सौंपने का परम कर्त्तव्य चुनाव आयोग को है। इसमें अगर कोताही होती है तो निश्चित रूप से जिम्मेदारी चुनाव आयोग को ही लेनी होगी। चुनाव आयोग को उन लोगों को पुलिस समेत सभी प्रकार का संरक्षण देना होगा जिन्हें कुछ राजनैतिक लोग जबर्दस्ती छल-बल से मतदान करने से रोकने का प्रयास करते हैं। आयोग किसी भी कानून तोड़ने वाले व्यक्ति के प्रति सहानुभूति नहीं रख सकता है, चाहे वह उस राज्य का बड़े से बड़ा राजनीतिज्ञ हो अथवा कोई सामाजिक या आर्थिक मठाधीश हो। लोकतन्त्र लोगों के अधिकारों से ही बनता है और इनमें सबसे पवित्र अधिकार वोट देने का होता है क्योंकि उसी से पूरा लोकतान्त्रिक ढांचा खड़ा होता है जिसमें स्वयं चुनाव आयोग भी आता है। अतः राजस्थान व तेलंगाना में इस प्रकार की एक भी शिकायत नहीं आनी चाहिए। इसके लिए चुनाव आयोग को चाक-चौबन्द इंतजाम करने चाहिए।

घृणा और हिंसा का इज़हार क्यों?

राजस्थान में एक चुनाव प्रचार सभा को सम्बोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक बार फिर से साबित कर दिया है कि वे चुनाव जीतने के लिये किसी भी तरह की भाषा का इस्तेमाल कर सकते हैं और किसी भी हद तक जा सकते हैं। बुधवार को राजस्थान के बायतु (बाड़मेर) में आयोजित सभा में मोदी ने हमेशा की तरह घिसे-पिटे मुद्दों पर वहां अशोक गहलोत के नेतृत्व में चल रही कांग्रेस सरकार को घेरने की कोशिश की। उन्होंने उस कथित लाल डायरी का फिर से हवाला देते हुए मतदाताओं से अपील की कि वोट देने जाएं तो इतनी जोर से भारतीय जनता पार्टी के चुनाव चिन्ह कमल का बटन दबाएं मानों उन्हें (कथित भ्रष्टाचारियों को) फांसी दे रहे हों। यह मोदी की विरोधियों के प्रति घृणा व हिंसक प्रवृत्ति दोनों की ही ओर संकेत करता है। यह भाषण मोदी के उन भाषणों की श्रृंखला की ही एक कड़ी माना जा सकता है जिनमें वे लोकतंत्र की उनकी समझ का आभास देते हैं; साथ ही यह भी दर्शा देते हैं कि उन्हें अपने पद की गरिमा और प्रतिष्ठा का बिलकु ल ख्याल नहीं है।उनके इस भाषण में कई बातें बतलाई गयीं। मसलन, कि राजस्थान में बहुत भ्रष्टाचार है, कानून-व्यवस्था इतनी ध्वस्त हो चुकी है कि पिछले पांच साल से राजस्थान के लोग हंगामों, पत्थरबाजी, कर्फ्यू आदि के चलते कोई भी पर्व-त्यौहार शांति से नहीं मना सके हैं। आतंकियों, दबंगों व दंगाइयों के बुलन्द हौसलों का कारण उन्होंने कांग्रेस की तुष्टिकरण की नीति को बतलाया। फिर, उनके मुताबिक इस राज्य में महिलाएं इतनी असुरक्षित हैं कि रात को घर से निकल नहीं सकतीं, बच्चियां तक निरापद नहीं हैं। मोदी के अनुसार अपराधियों के हौसले इसलिये बुलन्द हैं क्योंकि मुख्यमंत्री ऐसे हैं जो बलात्कार को फर्जी बतला देते हैं।कांग्रेस को हटाना व भाजपा की सरकार को लाना उन्होंने इसलिये ज़रूरी बताया कि ऐसा करने से ही राजस्थान की संस्कृति सुरक्षित रहेगी। उन्होंने यह भी बतलाया कि उनके द्वारा दिल्ली से जो जल जीवन मिशन की राशि भेजी जाती है वह सरकार खा जाती है और इस तरह कांग्रेस सरकार पुण्य के काम में भी पैसे कमाने का व्यवसाय तथा भ्रष्टाचार करती है।

साइबर अपराधियों के सामने सिस्टम फेल

भारत ने हाल के वर्षों में महत्वपूर्ण डिजिटल परिवर्तन का अनुभव किया है, जिसमें व्यक्तियों और व्यवसायों की बढ़ती संख्या इंटरनेट और डिजिटल प्रौद्योगिकियों पर निर्भर है। बढ़ती कनेक्टिविटी और प्रौद्योगिकी पर निर्भरता साइबर अपराधियों के लिए कमजोरियों का फायदा उठाने के अधिक अवसर पैदा करती है। भारत के पास विश्व स्तर पर सबसे बड़े इंटरनेट उपयोगकर्ता आधारों में से एक है। इंटरनेट का उपयोग करने वाली एक बड़ी आबादी के साथ, साइबर अपराधियों के लिए अधिक संभावित लक्ष्य हैं, जिससे यह साइबर हमलों के लिए एक आकर्षक बाजार बन गया है। साइबर क्राइम की घटनाएं दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही हैं. पिछले एक महीने में भारत में वर्क फ्रॉम होम, ई-चालान, लॉटरी के नाम पर ठगी के 2500 से ज्यादा मामले दर्ज किए जा चुके हैं। सिर्फ दिल्ली में इस साल 25000 से अधिक मामले दर्ज हो चुके हैं. वहीं 200 करोड़ की ठगी की जा चुकी है। सरकार द्वारा लगातार आनलाइन भुगतान पर जोर देने तथा आम आदमी को आनलाइन भुगतान के लिए फोनपे,जीपे, पीटीएम यूपीआई आदि की सुविधाएं मिलने से जहॉ एक तरफउन्हें राहत तो मिली है वही दूसरी तरफवित्तीय साइबर की बढ़ती घटनाओं को रोकने में सरकार का सिस्टम असहज दिखता है। स्थिति इतनी खराब है कि पीड़ित व्यक्ति साइबर थानों में वित्तीय नुकसान पहुचाने वाला का मोबाईल नम्बर से लेकर जिस खाते में पैसा ट्रासफर हुआ उसका नाम, वित्तीय हानि पहुचाने वाले का मोबाईल चालू होने के बाद भी उसका पता न लगा पाना इस बॉत का प्रमाण है कि साइबर अपराधियों के सामने सिस्टम लगभग फेल सा साबित हो रहा है। वैसे भी देश में जिस तरह से डिजिटल प्रौद्योगिकी का तूफानी परिवर्तन हुआ है उतनी तेजी से सरकारी तंत्रों को नही बदला गया। आज भी पुलिस की भर्ती में स्पेशल कैटगिरी यानि साइबर सेल के लिए बीसीए, एमसीए आदि तकनीकि योग्यता के आधार पर कोई भर्ती नही निकाली गई। इस दिशा में जनपद स्तर पर कोई प्रशिक्षण की चर्चा नही देखी गई। परिणामतः आम पुलिस थानों से कुछ अनुभवी पुलिस कार्मिकों और अफसरों को शामिल कर साइबर सेल की स्थापना कर दी गई है। परिणाम स्वरूप साइक्रम क्राईम तेजी से आम आदमी को हानि पहुंचा रहा है।तकनीकी के इस दौर में चोरी करने के तरीके भी हाईटेक हो गए हैं। अक्सर हर हिन्दुस्तानी के दिमाग में यही होता है कि उसका पैसा घर से ज्यादा बैंक में सुरक्षित है। लेकिन बैंक के सिस्टम में भी सेंध लगाकर पैसों को चोरी किया जा रहा है।आम आदमी थोड़े पैसे के लालच या नासमझी में अपनी गोपनीयता भंग कर रहे हैं और इन्हीं का फायदा साइबर चोर उठा रहे हैं। भारतीय रिजर्व बैंक से मिले आंकड़ों से यह बात पुख्ता हो रही है कि देश की अर्थव्यवस्था को साइबर चोर बड़ी चोट पहुंचा रहे हैं। हालांकि साइबर चोरी को रोकने के लिए अभी तक कोई ठोस कदम भी नहीं उठाए गए। हालात यह हो गए हैं कि दिनोंदिन ऑनलाइन धोखाधड़ी के मामलों में बढ़ोत्तरी हो रही है।आरटीआइ के जरिए एक एक्टिविस्ट ने सवाल पूछा था कि जिसमें देशभर में ऑनलाइन धोखाधड़ी के मामले कितने हुए और सरकार ने क्या कार्रवाई की, इसका जवाब मांगा था। मंत्रालय ने इस आरटीआइ को भारतीय रिजर्व बैंक के केंद्रीय जनसूचना अधिकार प्रकोष्ठ भेज दिया था।रिजर्व बैंक ने कुछ सवालों का जवाब तो गोल-मोल दिया।जबकि इसी वर्ष मई माह में लोकलसर्किल्स कीर रिपोर्ट लोगो को चौंका दियाा था। इस रिपोर्ट में यह दावा किया गया है कि पिछले तीन साल के दौरान करीब 39 प्रतिशत भारतीय परिवार ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी का शिकार बने हैं. इनमें से सिर्फ 24 प्रतिशत को ही उनका पैसा वापस मिल पाया है। लोकलसर्किल्स के सर्वे में 23 प्रतिशत लोगों ने कहा कि वे क्रेडिट या डेबिट कार्ड धोखाधड़ी का शिकार बने. वहीं 13 प्रतिशत का कहना था कि उन्हें ऑनलाइन खरीद-बिक्री साइट उपयोगकर्ताओं द्वारा धोखा दिया गया. सर्वे के अनुसार, 13 प्रतिशत लोगों का कहना था कि वेबसाइट द्वारा उनसे पैसा ले लिया गया, लेकिन प्रोडक्ट नहीं भेजा गया। जबकि 10 प्रतिशत ने कहा कि वे एटीएम कार्ड धोखाधड़ी का शिकार बने। 10 प्रतिशत ने कहा कि उनके साथ बैंक खाता धोखाधड़ी की गई। इसके अलावा 16 प्रतिशत ने बताया कि उन्हें कुछ अन्य तरीके से चूना लगाया गया। वैसे तो आनलाइन ठगी को लेकर जामताड़ा फिल्म भी बनी लेकिन अब तो लगभग हर राज्य में एक जामताड़ा जैसा गिरोह काम कर रहा हे। हालाकि देश में ऑनलाइन धोखाधड़ी के मामलों को भारतीय रिजर्व बैंक ने दो हिस्सों में बांटकर आंकड़े दिए हैं। इसमें पहले वह आंकड़े हैं, जिनमें धोखाधड़ी के शिकार लोग केवल बैंक को सूचना देने का काम करते हैं। ऐसे मामलों को भी दो कैटेगरी में बांटा गया है।एक श्रेणी में उन मामलों को दर्ज किया जाता है, जिसमें एक लाख से ज्यादा रुपये की धोखाधड़ी की गई हो, वहीं दूसरी श्रेणी में एक लाख से कम की धोखाधड़ी के मामलों की सूचना दर्ज होती है। जबकि ऑनलाइन धोखाधड़ी की दूसरी प्रमुख श्रेणी में उन घटनाओं का रखा गया है, जिसमें धोखाधड़ी का शिकार लोगों ने बैंक को सूचना देने के साथ ही थाने में जाकर मुकदमा दर्ज कराया हो।यहां पर भी मुकदमा दर्ज कराने वाले ग्राहकों को दो श्रेणी में रखा गया है। पहली में एक लाख रुपये से ज्यादा की धोखाधड़ी के मामलों की सूचना दर्ज की जाती है। दूसरी श्रेणी में एक लाख से कम धोखाधड़ी के शिकार लोगों की सूचना दर्ज होती है।भारत में बहुत से लोग इंटरनेट और डिजिटल उपकरणों के प्रयोग से जुड़े जोखिमों के बारे में पूरी तरह से जागरूक नहीं हैं। साइबर खतरों और सर्वोत्तम साइबर सुरक्षा प्रथाओं के बारे में जागरूकता की कमी के कारण व्यक्ति और व्यवसाय हमलों के प्रति अधिक संवेदनशील हो जाते हैं। भारत में साइबर सुरक्षा बुनियादी ढांचा अभी भी विकसित हो रहा है। कई संगठनों, विशेष रूप से छोटे व्यवसायों के पास मजबूत साइबर सुरक्षा उपाय नहीं हो सकता हैं, जिससे वे साइबर अपराधियों के लिए आसान लक्ष्य बन जाते हैं।भारत में इन मुद्दों के समाधान के लिए कानून एवं नियम हैं, कानूनी ढांचा लगातार विकसित हो रहा है, और कई बार प्रवर्तन चुनौतीपूर्ण हो सकता है। इससे साइबर अपराधियों पर प्रभावी ढंग से मुकदमा चलाने में देरी हो सकती है। जैसे-जैसे प्रौद्योगिकी आगे बढ़ती है, वैसे-वैसे साइबर खतरे भी बढ़ते हैं। साइबर अपराधी सॉफ्टवेयर, हार्डवेयर और नेटवर्क सिस्टम में कमजोरियों का फायदा उठाने के लिए लगातार नए तरीके ढूंढते रहते हैं। डिजिटल भुगतान और ऑनलाइन लेनदेन के बढ़ने के साथ, फिशिंग, क्रेडिट कार्ड धोखाधड़ी और ऑनलाइन घोटाले जैसे वित्तीय अपराधों का खतरा बढ़ गया है। कुलमिलाकर यह कहना गलत नही होगा की सरकार को आम आदमी आर्थिक सुरक्षा के लिए सिस्टम को सुधारना होगा। आम जनता, व्यवसायों और संगठनों को साइबर सुरक्षा खतरों और सर्वोत्तम प्रथाओं के बारे में शिक्षित करना । सुरक्षित इंटरनेट उपयोग को बढ़ावा देने और आम साइबर खतरों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए जागरूकता अभियान, कार्यशालाएं और प्रशिक्षण सत्र आयोजित करना होगा।

जंग खुद एक मसला है

युद्धों से कुछ हासिल नहीं होता। हारती है तो सिर्फ मानवता। साहिर लुधियानवी की युद्ध पर लिखी नज्म याद आ रही है। ''खून अपना हो या पराया हो, नसल-ए-आदम का खून है आखिर जंग मशरिक में हो कि मगरिब में, अमन-ए-आलम का खून है आखिर टैंक आगे बढ़े कि पीछे हटे, कोख धरती की बांझ होती है फतह का जश्न हो कि हार का सोग, जिन्दगी मैय्यतों पर रोती है जंग तो खुद ही एक मसला है, जंग क्या मसलों का हल देगी आग और खून आज बख्शेगी, भूख और अहतियाज कल देगी इघ्सलिए ऐ शरीफ इंसानों जंग टलती रहे तो बेहतर है आप और हम सभी के आंगन में शमां जलती रहे तो बेहतर है।'' मजहब और जमीन के लिए इजराइल और हमास में जंग जारी है। चारों तरफ विध्वंस ही विध्वंस है। युद्ध के नियमों का घोर उल्लंघन हो रहा है। गाजा शहर में चारों तरफ लाशें बिखरी पड़ी हैं। युद्ध में लगभग 5000 बच्चों के मारे जाने से चारों तरफ चीत्कार है। अस्पताल कब्रिस्तान में तब्दील हो चुके हैं। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से ही युद्ध अपराधों को लेकर सवाल खड़े होते रहे हैं। हमास के आतंकियों ने इजराइल में वहशीपन की सारी हदें पार की और महिलाओं, बच्चों और बूढ़ों के साथ उन्होंने हैवानियत की। इसके बाद इजराइल ने हमास को खत्म करने के घ्लिए युद्ध छेड़ दिया। सवाल यह भी है कि हमास के आतंकियों पर युद्ध केघ् नियम लागू नहीं होते तो फिर इजराइल को जिम्मदार कैसे ठहराया जा सकता है। युद्ध अपराधों का मसला तो अभी उठ रहा है लेकिन अब प्राथमिकता यही है कि युद्ध कैसे रुके।इसी बीच संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने उस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है जिसने गाजा में चल रहे युद्ध में तुरन्त एक मानवीय रोक और गलियारा बनाए जाने की अपील की गई है। युद्ध के बाद संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का इस तरह का यह पहला प्रस्ताव है। 15 सदस्यीय परिषद में इस प्रस्ताव को 12-0 से पास किया गया है। तीन सदस्य अमेरिका, ब्रिटेन और रूस वोघ्टिंग से अनुपस्थित रहे हैं। इस प्रस्ताव को माल्टा ने पेश किया जो परिषद के 15 सदस्यों को काफी हद तक साथ लाने में सफल रहा। इस तरह सुरक्षा परिषद् ने नागरिकों की सुरक्षा और सशस्त्र संघर्षों में बच्चों की दुर्दशा पर आवाज बुलंद की। अमेरिका और ब्रिटेन ने अनुपस्थित रहकर इजराइल को एक तरह से झटका दिया है। इजराइल के गाजा में ताबड़तोड़ एक्शन से अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन भी खुद को असहज महसूस कर रहे हैं। उन्होंने इजराइल को चेताया भी था कि वह गाजा में फिलस्तीनी नागरिकों और बच्चों की सुरक्षा के लिए अपने दायित्व को समझे। इस प्रस्ताव के ड्राफ्ट की भाषा पर कई सवाल भी उठ रहे हैं। प्रस्ताव में मानवीय विराम के लिए मांग की बजाय आह्वान तक सीमित कर दिया। इसने हमास द्वारा बंधक बनाए गए सभी बंधकों की तत्काल और बिना शर्त रिहाई की मांग को भी कमजोर कर दिया। प्रस्ताव में संघर्ष विराम और हमास की ओर से 7 अक्तूबर को इजराइल पर किए गए हमलों का भी कोई जिक्र नहीं है। रूस के संयुक्त राष्ट्र राजदूत वासिली नेबेंजिया ने मतदान से ठीक पहले प्रस्ताव में संशोधन करने का असफल प्रयास किया। रूस ने शत्रुता की समाप्ति के लिए तत्काल, टिकाऊ और निरंतर मानवीय संघर्ष विराम का आह्वान किया। इस संशोधन पर मतदान में पांच देश पक्ष में थे, अमेरिका ने विरोध किया और नौ देश अनुपस्थित रहे। ऐसे में इसे अपनाया नहीं गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को ग्लोबल साऊथ सम्मेलन को वर्चुअली सम्बोधित करते हुए इजराइल-हमास युद्ध में नागरिकों की मौतों की निंदा की है। इससे पहले भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में उस प्रस्ताव का समर्थन किया था जिसमें कब्जे वाले फिलस्तीनी क्षेत्र में इजराइलीघ् बस्तियां बसाने की निंदा की गई थी। हालांकि पिछले महीने जब संयुक्त राष्ट्र महासभा में गाजा में इजराइल के हमले को लेकर युद्ध विराम का प्रस्ताव लाया गया तो भारत वोटिंग से बाहर रहा था। तब भारत के रुख को इजराइल के प्रति मोदी सरकार की नरमी के तौर पर देखा गया था। भारत आतंकवाद के पूरी तरह से खिलाफ है। इसलिए उसने हमास के हमले की निंदा की थी। भारत शांति का दूत कहलाता है और वह मानवता की रक्षा के लिए हमेशा खड़ा है। भारत ने हमेशा इजराइल-फिलस्तीन संकट का समाधान द्विराष्ट्र के सिद्धांत में देखा है। इजराइल के विरोध में वोट देकर भारत ने एक बार फिर अपनी स्वतंत्र विदेश नीति का परिचय दिया है और ग्लोबल साऊथ की आवाज बनने की ठोस कोशिश की है। नई दिल्ली का सैद्धांतिक रुख सामने आया है, क्योंकि उस इजराइल के साथ मान्यता प्राप्त सीमाओं के भीतर रहने वाले एक संप्रभु फिलस्तीन राज्य की स्थापना की दिशा में बातचीत शुरू करने की वकालत की है। बेहतर होगा कि इजराइल युद्ध विराम कर गाजा के लोगों को मदद करने, उन्हें खाद्य पदार्थ और दवाइयां मुहैय्या कराने में सहयोग करे।**-आदित्य नारायण**

आज का राशि फल

मेषः- कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। नाजुक संबंधों में भावनात्मक तालमेल बिठाने का प्रयत्न करें। नये कायरें के क्रियान्वयन हेतु प्रयत्न तीव्र होगा। जीवन साथी से मधुरता कायम रखें।

बृषभः- विरोधियों की प्रबलता से कार्यक्षेत्र में कठिनाइयां संभव। जीविका क्षेत्र में नये आयाम उत्साहित करेंगे। कल्पनाओं में जीना छोड़ भौतिक जगत के अनुकूल चलने का प्रयत्न करें।

मिथुनः- किसी सहकर्मी के खराब व्यवहार से कष्ट संभव। कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। पारिवारिक संबंधों में कटुता न आने दें। आवेश में लिये गये निर्णय से पश्चाप संभव।

ककर्ः- किसी विपरीतलिंगी संबंध के प्रति आकर्षण बढ़ेगा। रोजगार में समस्याओं से हतोत्साहित न हों। अपनी क्षमताओं व गुणवत्ता पर भरोसा रखें क्योंकि आगे बहुत सारी सफलताएं मिलने वाली हैं।

सिंहः- अच्छी भावनात्मक अभिव्यक्ति से संबंधों की मधुरता बढ़ेगी। रोजगार की समस्याओं को लेकर मन चिंतित होगा। किसी बड़ी यात्रा के प्रति मन उत्साहित होगा। असीम प्रतिभाओं के बावजूद असफल होंगे।

कन्याः- कोई महत्वपूर्ण आकांक्षा अपनी सार्थकता हेतु उद्वेलित करेगी। दूसरों की आलोचना का असर मनोबल पर कतई न पड़ने दें। ग्रहों की अनुकूलता प्रगति के अच्छे अवसर प्रदान करेगी।

तुलाः- कुछ नये उत्साह व कार्य क्षमता की अनुभूति करेंगे। कुछ आर्थिक प्रगति के लिए मन नई-नई युक्तियों पर केंद्रित होगा। कुछ नई सफलताएं सुखों का आगाज करेंगी। योजनाएं फलीभूत होंगी।

वृश्चिकः- बीती बातों को भूल वर्तमान में जीने का प्रयास करें। रोजगार में अपनी क्षमता का पूर्ण लाभ मिलेगा। बिना वजह दूसरों की पीठ पीछे आलोचना न करें। परिवार में खुशहाल स्थिति से मन प्रसन्न होगा।

धनुः- दूसरों की सफलता से अपने अंदर हीन भावना न पाले। नौकरी का वातावरण थोड़ा अरुचिकर होगा तथा स्थान परिवर्तन का भी योग है। रोजगार में व्यस्तता रहेगी किंतु जरूरी कायरे की पूर्ति समय से करें।

मकरः- रोजगार में कुछ आकस्मिक सफलता मिलने का योग है। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति में व्यय संभव। प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से मन प्रसन्न होगा। कार्यक्षेत्र में क्षमताओं का लाभ उठाएंगे।

कुंभः- रोजगार क्षेत्र में मिल रहे नये अवसरों का लाभ उठाएंगे। आवेश में लिये गये निर्णय से हानि संभव। राजनीतिक सरगर्मियां बढ़ेंगी। मित्रवत संबंधों का लाभ प्राप्त होगा। परिवार में खुशहाल माहौल रहेगा।

मीनः- आपकी सारी समस्याएं खुद ब खुद सुलझ जाएंगी। किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव। जीवन साथी के साथ मधुरता कायम रखें।

कर्नाटक में भाजपा और कांग्रेस दोनों में नेतृत्व का संकट

अरुण श्रीवास्तव

अंदरूनी कलह ने सरकार के कामकाज पर प्रतिकूल असर डाला है। राहुल और प्रियंका द्वारा किये गये अधिकांश चुनाव पूर्व वायदे अभी तक पूरे नहीं हुए हैं क्योंकि वरिष्ठ नेता होने के नाते मंत्री अपने-अपने नेताओं के लिए समर्थन जुटाने में व्यस्त हैं। लोकसभा चुनाव से पहले अंदरूनी कलह के कारण भी पार्टी में फेरबदल में बाधा आ रही है।कर्नाटक भाजपा में हाल के घटनाक्रम इस बात का खुलासे करते हैं कि अमित शाह, अपनी तथाकथित चाणक्य प्रसिद्धि के बावजूद, पार्टी मामलों पर पकड़ खो चुके हैं और उनके पास विचारों की भी कमी है। केवल एक सप्ताह पहले, भाजपा नेतृत्व ने कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा के छोटे बेटे, पहली बार विधायक बने बीवाई विजयेंद्र को राज्य इकाई का अध्यक्ष नियुक्त किया। इसे पुराने लिंगायत नेता बीएस येदियुरप्पा को एक बार फिर से पार्टी की कमान सौंपने की एक घुमावदार चाल के रूप में देखा जा रहा है, जिन्हेंइस साल मई में राज्य चुनाव के ठीक बीच में मोदी और शाह ने किनारा लगा दिया था ताकि पार्टी को लिंगायत ताकतवर नेता की छाया से दूर ले जाया जा सके।मोदी और शाह का वह निर्णय आत्मघाती साबित हुआ, क्योंकि लिंगायतों ने कांग्रेस के प्रति अपनी वफादारी बदल दी और कम से कम 30 निर्वाचन क्षेत्रों में उसकी जीत सुनिश्चित की। हालांकि भाजपा के राष्ट्रीय नेताओं का दावा है कि विधानसभा में हार से सबक लेते हुए उन्होंने येदियुरप्पा को कमान सौंपी है, लेकिन इसका राज्य इकाई पर पहले ही हानिकारक प्रभाव पड़ चुका है। पार्टी की राज्य इकाई में बड़ी संख्या में प्रमुख लिंगायत चेहरे हैं। वे शाह और मोदी के इस कदम से आहत हैं और खुलेआम कहते हैं कि वे अपमानित महसूस कर रहे हैं।उनके पास वाजिब तर्क है। वे बीएस येदियुरप्पा का सम्मान करते थे, क्योंकि वह एक वरिष्ठ नेता थे और उन्होंने राज्य में पार्टी को पुनर्जीवित किया था। लेकिन उनके प्रति सम्मान को मोदी और शाह द्वारा यह समझना भूल है कि वरिष्ठ लिंगायत नेता नवसिखिये विजयेंद्र के आदेशों को सुनेंगे। उन्होंने यह कदम इसलिए उठाया क्योंकि मई 2023 की हार के बाद और 2024 के राष्ट्रीय चुनावों से पहले लिंगायत वोट पार्टी पर भारी है। भाजपा को उम्मीद है कि विजयेंद्र की स्थापना से लिंगायतों को पार्टी में वापस लाया जा सकेगा और 2019 के लोकसभा प्रदर्शन को दोहराने में मदद मिलेगी, जब उसने कर्नाटक में 28 में से 25 सीटें जीती थीं।स्वाभाविक रूप से, राज्य इकाई के अध्यक्ष के रूप में विजयेंद्र की नियुक्ति के बाद भाजपा को वंशवाद की राजनीति की आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। वरिष्ठ लिंगायत नेताओं का मानना है कि राष्ट्रीय नेतृत्व के पास इस बारे में विचारों की कमी है कि राज्य में पार्टी का आधार कैसे बढ़ाया जाये और संभवतः उन्होंने कैडर-आधारित नेतृत्व प्रणाली विकसित करने की रणनीति को छोड़ दिया है। ध्यान रहे कि 2021 में येदियुरप्पा को मुख्यमंत्री पद से बीच में ही हटाया गया था।येदियुरप्पा जैसी प्रमुख जातियों के कद्दावर नेताओं को संदेश देते हुए कि वे अब पार्टी नेतृत्व पर अपनी शर्तें नहीं थोप सकते, और वंशवाद की राजनीति के खिलाफ अपने रुख का हवाला देते हुए, भाजपा ने 2018 में विजयेंद्र को चुनावी टिकट देने से इनकार कर दिया था और उन्हें 2021 और 2023 के बीच मंत्री पद से भी वंचित कर दिया था।सूत्रों का कहना है कि मई के बदतर चुनावी हार के बाद, राष्ट्रीय नेतृत्व ने वोक्कालिंगा समुदाय को जोड़ने का फैसला किया था। लेकिन यह सफल नहीं हुआ। उन्होंने यह भी बताया कि एचडी देवेगौड़ा की जद (एस) द्वारा भाजपा के साथ गठबंधन करने का फैसला करने के बाद इस विचार को छोड़ दिया गया था क्योंकि वोक्कालिगा देवेगौड़ा का मुख्य समर्थन आधार रहा है। जद (एस) के एनडीए में आने के साथ, भाजपा प्रमुख के रूप में वोक्कालिंगा नेता की नियुक्ति व्यवहार्य नहीं थी। जाहिर है, पार्टी को सार्वजनिक चेहरे के रूप में लिंगायत समुदाय से किसी को लेने के लिए मजबूर होना पड़ा। अब विजयेंद्र को राज्य प्रमुख के रूप में स्थापित करने के बाद, नेतृत्व विधायक दल के नेता के रूप में नियुक्त करने के लिए किसी प्रमुख ओबीसी नेता की तलाश कर रहा है, एक वरिष्ठ नेता ने कहा।एक और कारक जो महत्वपूर्ण रूप से सामने आया है वह है संघ परिवार का रवैया। कर्नाटक के आरएसएस कैडरों ने वरिष्ठ येदियुरप्पा को कभी भी बहुत सम्मान नहीं दिया। उन्हें लगता है कि वह भले ही राज्य में लिंगायत समुदाय का चेहरा रहे हों, लेकिन उन्होंने कभी भी सभी जातियों और समुदायों को साथ लेकर चलने की कोशिश नहीं की। संघ की राज्य इकाई के साथ उनके कभी भी सहज और सौहार्द्रपूर्ण संबंध नहीं रहे। जाहिर है, संघ के प्रति वफादार लोगों से विजयेंद्र को समर्थन देने की उम्मीद नहीं की जा सकती थी। कुछ संघ नेता याद करते हैं कि जब उनके पिता मुख्यमंत्री थे तो विजयेंद्र कैसे सुपर सीएम की तरह व्यवहार करते थे। उनका यह भी आरोप है कि उनकी कार्यशैली निचले स्तर के कार्यकर्ताओं और नेताओं के राज्य के नेताओं से अलगाव का एक प्रमुख कारण था। कर्नाटक में पार्टी के पतन का यह एक बड़ा कारण था।लिंगायतों को हिंदुत्व विरोधी प्रवृत्ति वाला माना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि लिंगायतवाद की स्थापना हिंदू धर्म की ब्राह्मणवादी व्यवस्था को बाधित करने के लिए की गई थी। सदियों बाद, समुदाय के सामाजिक अभिजात वर्ग और नए मध्यम वर्ग ने संघ परिवार की प्रिय नवउदारवादी और सांप्रदायिक नीतियों को अपना लिया है। अपने विचारों का समर्थन करने के लिए, वे भाजपा के पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई के बयानों का उल्लेख करते हैं, कि हिजाब और हलाल चुनावी मुद्दे नहीं हैं। येदियुरप्पा से भी उम्मीद नहीं है कि वे किसी भी सामाजिक ध्रुवीकरण वाले मुद्दे को मंजूरी देंगे।कांग्रेस में भी प्रदेश के नेता राहुल गांधी की वैचारिक लाइन को लागू करने का प्रयास करने के बदले कड़वे सत्ता संघर्ष में शामिल हैं। कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया ने भाजपा पर ऑपरेशन कमल के जरिये राज्य की कांग्रेस सरकार को अस्थिर करने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। लेकिन उनके आरोप को स्वीकार करने वाले कम ही लोग हैं। उन्होंने कांग्रेस विधायक रविकुमार गौड़ा की शिकायत के बाद यह आरोप लगाया था कि भाजपा की एक टीम ने कांग्रेस विधायकों से भगवा पार्टी में जाने के लिए प्रत्येक के लिए 50 करोड़ रुपये और एक मंत्री पद की पेशकश के साथ संपर्क किया था।उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने भी कहा, एक बड़ी साजिश रची जा रही है, लेकिन इसका फल नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा राज्य सरकार को अस्थिर करने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रही है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस विधायकों ने उन्हें और सीएम को सूचित किया था कि कौन उनके संपर्क में है और क्या पेशकश की जा रही है।

जनसेवा संकल्प रैली में बोले अखिलेश यादव

आने वाले समय में जनसेवक पार्टी हरियाणा में विकल्प में खड़ी होगी

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ । समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने रविवार को हरियाणा के जींद में हरियाणा जनसेवक पार्टी द्वारा आयोजित जनसेवा संकल्प रैली को सम्बोधित करते हुए कहा है कि समाजवादियों ने जो काम किये हैं वह इतिहास बन गए है। कोई भी सत्ता में आ जाए उसे बदल नहीं सकता है। नेताजी मुलायम सिंह यादव ने रक्षामंत्री रहते हुए फैसला लिया था कि देश में जवान सीमा पर कहीं भी शहीद होगा तो उसका पार्थिव शरीर घर तक पहुंचाया जाएगा और पूरे राजकीय सम्मान के साथ अन्तिम संस्कार किया जाएगा। उससे पहले जवानों के शहीद होने पर घर तक केवल उनकी टोपी और वर्दी आती थी। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने जो अग्निवीर योजना शुरू की है वह नौजवानों के लिए सेना की अधूरी नौकरी है। इसमें जवानों का सम्मान नहीं हो रहा है। समाजवादी पार्टी अपने घोषणा पत्र में इसे शामिल करेगी और हमारा वादा है कि 2024 में केन्द्र में सरकार बदलने पर समाजवादी पार्टी अग्निवीर योजना समाप्त कर पहले की तरह नौजवानों को सेना की पक्की नौकरी दिलाएगी। अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादियों ने देश में सबसे पहले जातीय जनगणना की मांग शुरू की। आज यह पूरे देश का मुद्दा बन गया है। देश में तमाम जातियां है जिनकी कोई पहचान नहीं है। समाजवादी पार्टी चाहती है कि देश में जातीय जनगणना हो। सभी जातियों को उनकी आबादी के हिसाब से हक और सम्मान मिले। बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने पिछड़ों के लिए संविधान में जिस हक और सम्मान की बात की है, वह आरक्षण नहीं मिल पाया। जातीय जनगणना होने पर देश में सभी जातियों की संख्या का पता चलेगा और उनको अधिकार और सम्मान दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि समाजवादी सरकार ने उ0प्र0 में महिलाओं को पेंशन देकर उनका मान सम्मान बढ़ाया था। अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार द्वारा लाए गए तीन काले कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन के लिए हरियाणा के किसानों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि किसान केन्द्र सरकार के सामने नहीं झुके। उन्होंने आंदोलन चलाया। आंदोलन सफल रहा। भाजपा सरकार को किसानो के सामने झुकना पड़ा। भाजपा सरकार ने किसानों पर तमाम अन्याय, अत्याचार किये। किसानों का शोषण किया। बड़ी संख्या में किसान शहीद हुए। लेकिन वे पीछे नहीं हटे और उनकी जीत हुई। अखिलेश यादव ने उम्मीद जताई कि आने वाले समय में जनसेवक पार्टी हरियाणा में विकल्प के रूप में खड़ी होगी। उन्होंने कहा कि हमने राजनीति को बहुत करीब से देखा है। बहुत उतार चढ़ाव भी देखे हैं। जो आज दिल्ली की सत्ता में बैठे हैं वे भी कभी छोटे दल थे। उनकी भी संख्या एक, दो और तीन में हुआ करती थी और जो बड़ा दल था किसी को भी चुनाव में खड़ा कर जिता देता था। आज ऐसा समय आया कि उसके प्रत्याशी जमानत नहीं बचा पाएं। अखिलेश यादव ने कहा कि हरियाणा जनसेवक पार्टी के साथ नौजवान, माताए और बहनें है। उम्मीद है कि नई पार्टी पढ़ाई-लिखाई सड़क और सुविधाओं की बात करेगी और नई सोच के साथ आगे बढ़ेगी। अखिलेश यादव ने बलराज कुंदू को हरियाणा में हरियाणा जनसेवक पार्टी बनाने के लिए बधाई और शुभकामनाएं दी। जनसेवा संकल्प रैली का आयोजन संजय कुमार ने किया था। रैली में संजय लाठर पूर्व एमएलसी एवं अतुल प्रधान विधायक उत्तर प्रदेश भी मौजूद रहे।

अयोध्या में पग-पग पर श्रद्धालुओं के लिए कठिनाई,पथ पर आसान नहीं परिक्रमा

अयोध्या। अयोध्या में 14 कोसी परिक्रमा 20 और 21 तारीख की रात शुरू होगी। जिसमें महज दो दिन बचा हुआ है। लेकिन परिक्रमा मार्ग पर ज्यादातर जगहों पर मार्ग खराब है। मार्ग के कई जगहों पर गड्ढे हो गए हैं। सीमेंट की सड़क पर गिट्टियां उभर आई हैं। नाली टूट जाने के कारण पानी मार्ग पर बह रहा है। फिर भी मार्ग को दुरुस्त नहीं किया जा सका है। जिला प्रशासन फरमान का भी असर भी नहीं दिखाई दे रहा है, फरमान के बाद केवल सड़कों पर झांडू लगया जा रहा है। बाकी यथस्थिति बरकरार है। सोमवार और मंगलवार रात्रि को 14 कोसी परिक्रमा है। यानी 20 और 21 तारीख की रात 2 बजकर 9 मिनट से शुरू हो रहा है। जो 21 तारीख की रात 11 बजकर 38 मिनट तक चलेगा। इसके बाद 22 तारीख को रात 9 बजकर 25 मिनट से पंचकोसी परिक्रमा की शुरुआत हो जाएगी। जो 23 तारीख की शाम 7 बजकर 21 मिनट तक चलेगी। अधिकारियों ने किया परिक्रमा पथ का निरीक्षण दिया दिशा-निर्देश परिक्रमा पथ के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी नितीश कुमार ने सेतु निगम, लोक निर्माण विभाग, जल निगम, अयोध्या विकास प्राधिकरण आदि सहित अन्य सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को दोनों परिक्रमा मार्गो पर चल रहे कार्य स्थलों पर परिक्रमार्थियों की सुरक्षा के दृष्टिगत मार्केटिंग कराकर ही अपने कार्यो को संचालित करने के निर्देश दिए हैं।

छठ पर्व पर यूपी को केन्द्र सरकार का बड़ा तोहफा

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्र एके शर्मा के प्रयासों से पूर्वांचल सहित उत्तर प्रदेश को छठ पर्व पर भारत सरकार ने एक बड़ा तोहफा दिया है। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंत्री एके शर्मा के पत्र का संज्ञान लेते हुए एवं उनके अनुरोध पर एक नई साप्ताहिक एक्सप्रेस रेल गाड़ी मऊ से मुंबई तक को मंजूरी दे दी है। केंद्रीय रेल मंत्री ने इस बात की जानकारी स्वयं मंत्री श्री शर्मा को फोन पर दी है। लोक आस्था के इस महापर्व छठ पूजा पर भारत सरकार द्वारा मऊ से मुंबई एक नई साप्ताहिक रेल गाड़ी की मंजूरी मिलना पूर्वांचल सहित उत्तर प्रदेश के लिए एक तोहफे से कम नहीं है। जिसके लिए प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का हृदय से धन्यवाद् किया है। मंत्री श्री शर्मा ने भारत सरकार के रेल मंत्रालय से मऊ, आजमगढ़, शाहगंज, मुम्बई वाया प्रयागराज, कानपुर नई ट्रेन संचालन के लिए आग्रह पत्र लिखा था। जिसमें उन्होंने लिखा कि पूर्वोत्तर रेलवे अंतर्गत उत्तर प्रदेश के जनपद मऊ-शाहगंज-मुंबई वाया प्रयागराज-कानपुर रेल खंड पर मुंबई जाने हेतु एक मात्र ट्रेन गोदान एक्सप्रेस संचालित है। मऊ जनपद भ्रमण के दौरान आम जन मानस द्वारा संज्ञान में लाया गया कि यह ट्रेन मऊ से मुंबई तक वाया प्रयागराज, कानपुर आगरा कोटा रतलाम सूरत होकर जाती है। ट्रेन में लोगों को जगह नहीं मिलती है और काफी भीड़ भी होती है। अतः इस रूट पर एक नई ट्रेन संचालित किये जाने की आवश्यकता है। जिसका संज्ञान लेते हुए भारत सरकार के रेल मंत्रालय ने नई साप्ताहिक एक्सप्रेस रेल गाड़ी मऊ से मुंबई तक को मंजूरी दे दी है। जिसकी जानकारी केंद्रीय रेल मंत्री श्री वैष्णव ने स्वयं फोन कर मंत्री एके शर्मा को दी है। श्री शर्मा ने बाताया कि उनके आग्रह पर ही आगामी 22 नवम्बर दिन बुधवार को केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव इस ट्रेन का वर्चुअल उद्घाटन करते हुए हरी झंडी दिखायेंगे। जिसके साक्षी हम सब पूर्वांचल वासी बनेंगे। यह नई साप्ताहिक एक्सप्रेस रेल गाड़ी मऊ से शुरू होकर मुहम्मदाबाद गोहना, आजमगढ़, शाहगंज, जौनपुर, प्रयाग राज होती हुई मुंबई जाएगी। छठ के पावन पर्व पर पूर्वांचल सहित उत्तर प्रदेश को दिए गए तोहफे के लिए भारत के प्रधानमंत्री एवं रेल मंत्री को हृदय से धन्यवाद् और प्रदेश की जनता को बधाई दी है। श्री शर्मा ने कहा कि इस नई रेल गाड़ी से पूर्वांचल के विकास के और गति मिलेगी। रेल सेवा शुरू होने से यात्री सुविधा के साथ ही मऊ एवं पूर्वांचल से वस्त्र, कृषि उत्पाद, खाद्य और अन्य सामग्रियों का परिवहन भी सुगम होगा, जिससे व्यापार और उद्योग में सुधार होगा। रेल सेवाएं एक समय पर बहुत अधिक मात्रा में सामान को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचा सकती हैं, जिससे बाजार में सामान की उपलब्धता में सुधार होगा। इस रेल गाड़ी से सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने के साथ इनवायरनमेंटल लाभ मिलेगा। रेलवे ट्रांसपोर्ट पर्यावरण के लिए उत्तम है, क्योंकि अन्य परिवहन साधनों की तुलना में इसमें कम प्रदूषण और ऊर्जा की खपत होती है।

सरकार खुद जा रही गांव व गरीबों के पासः केशव

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व व निर्देशन में ग्रामीणों की समस्याओं के निराकरण हेतु प्रदेश के प्रत्येक विकास खण्ड की दो ग्राम पंचायतों में प्रत्येक शुक्रवार को ग्राम चौपाल का आयोजन किया जा रहा है और इन ग्राम चौपालों के बहुत ही सार्थक परिणाम निखर कर सामने आ रहे हैं तथा बहुत बड़ी संख्या में लोगों की समस्याओं का निराकरण उनके गांव में ही हो रहा है। सरकार खुद चलकर गांव व गरीबों के पास जा रही है, ग्राम चौपालों से जहां गांवों में चल रही विभिन्न परियोजनाओं की जमीनी हकीकत का पता चलता है, सोशल सेक्टर की योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आ रही है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशों के अनुपालन में ठोस व प्रभावी रूपरेखा बनाकर चौपालों का आयोजन किया जा रहा है तथा चौपालों से पूर्व गांवों में सफाई पर विशेष रूप से फोकस किया जा रहा है और चौपालों के बारे में अधिक से अधिक प्रचार प्रसार भी किया जा रहा है व्यक्तिगत समस्याओं के अलावा सार्वजनिक समस्याओं का समाधान चौपालों में हो रहा है।

शिक्षक अभ्यर्थियों का धरना प्रदर्शन जारी,दूसरे दिन भी पहुंचे सपा नेता

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। शिक्षक अभ्यर्थियों का कहना है कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी के घर पर प्रदर्शन कर अपनी मांगे पूरी करने का आग्रह किया। जहां उनकी सुनवाई नहीं हुई। पुलिस ने बल प्रयोग कर उन्हें वापस ईको गार्डेन पहुंचा दिया। पुलिस की धक्कामुक्की में कई लड़कियां बेहोश हो गई। बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा 69 हजार शिक्षक भर्ती का आयोजन वर्ष 2018 में किया गया। जिसकी परीक्षा के उपरान्त 21 मई 2020 को भर्ती परीक्षा का परिणाम जारी किया गया। तत्पश्चात 31 मई 2020 को 67867 अभ्यर्थियों की एक चयन सूची विभाग द्वारा प्रकाशित की गई जिसमें आरक्षित वर्ग (दिव्यांग, दलित, एवं पिछड़े) के अभ्यर्थियों ने पाया कि उनको मानक के अनुरूप आरक्षण नहीं दिया गया है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देश पर आज समाजवादी महिला सभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष जूही सिंह ने इन सहायक शिक्षक अभ्यर्थियों को न्याय दिलाने के लिए धरना स्थल पर पहुंचकर धरना दे रहे शिक्षक अभ्यर्थियों को आश्वासन दिया कि समाजवादी पार्टी आपके साथ है। सपा के नेताओं का आरोप है कि इसको लेकर आरक्षित वर्ग के 6800 अभ्यर्थियों ने बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारियों, तत्कालीन शिक्षा मंत्री सतीश द्विवेदी, भाजपा संगठन एवं सरकार के तमाम वरिष्ठ नेताओं के समक्ष अपनी पीड़ा रखी लेकिन उनकी समस्या का समाधान नहीं हो सका। सपा के नेताओं का कहना है कि दलित-पिछड़े वर्ग के अभ्यर्थी तीन वर्ष से सड़क से लेकर कोर्ट तक संघर्ष करते हुए मानसिक रूप से बहुत परेशान हो गए हैं। सभी 6800 आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों की प्रमुख मांगे निम्नवत है। आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों के प्रतिनिधिमण्डल की मुलाकात मुख्यमंत्री से कराई जाए। हाईकोर्ट के इस आदेश को सरकार डबल बेंच में चुनौती दें एवं डबल बेंच में मजबूत पैरवी करके 6800 आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों की नियुक्ति का मार्ग प्रशस्त करें।सहायक शिक्षक भर्ती में हुई अनियमितताओं के विरोध में शिक्षक अभ्यर्थी लखनऊ के इको गार्डेन में लगातार धरना प्रदर्शन कर रहे है। मासूम बच्चों के साथ महिलाएं भी रात दिन यहां धरना दे रही हैं। कई शिक्षक अभ्यर्थी ठंड के कारण बीमार हो चुके हैं उनका हाल जानने सरकार और शासन-प्रशासन का कोई भी अधिकारी अभी तक यहां नहीं पहुंचा है। समाजवादी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के अध्यक्ष डॉ. राजपाल कश्यप, प्रदेश अध्यक्ष समाजवादी अल्पसंख्यक सभा शकील नदवी समाजवादी महिला सभा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नेहा यादव, समाजवादी छात्र सभा के प्रदेश अध्यक्ष विनीत कुशवाहा, लखनऊ उत्तरी विधानसभा की पूर्व प्रत्याशी पूजा शुक्ला, समाजवादी महिला सभा की राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष वंदना चतुर्वेदी, श्याम कृष्ण गुप्ता प्रदेश उपाध्यक्ष समाजवादी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ, राजेन्द्र लोधी प्रदेश सचिव पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ, पूजा यादव बुन्देलखंडी, अकरम सिद्दीकी महासचिव अल्पसंख्यक सभा, ताज खान पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष अल्पसंख्यक सभा, विनोद यादव प्रदेश सचिव पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ, मीनाक्षी यादव प्रदेश सचिव अधिवक्ता सभा, मनोज पाल जिलाध्यक्ष लखनऊ पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ, अजय सिंह लोधी प्रदेश सचिव पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ, अरविन्द यादव सदस्य पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ, तरून प्रधान, कुलवंत कौर, दुर्गेश आदि प्रमुख नेताओं ने धरनास्थल पर पहुंचकर धरने पर बैठे अभ्यर्थियों के बीच उन्हें अपना समर्थन दिया।

करंट से 4 भाई-बहनों की मौत,घर के बाहर खेल रहे थे, फर्राटा पंखे से एक के बाद एक चिपके

उन्नाव। उन्नाव में पंखे में करंट उतरने से एक एक कर 4 बच्चों की मौत हो गई। बताया जाता है कि घर के बरामदे में रखे पंखे में करंट आ रहा था। जिसकी चपेट में एक बच्चा आया, फिर उसे बचाने के चक्कर में एक-एक कर चारों चिपक गए। हादसा बारासगवर थाना क्षेत्र के लालमन खेड़ा गांव का है। लालमन खेड़ा के रहने वाले वीरेंद्र कुमार के घर के बाहर एक फर्राटा पंखा लगा है। रविवार शाम फर्राटा पंखे के पास में खेल रहे उनके एक बच्चे ने उसे छू लिया। करंट होने की वजह से वह पंखे की चपेट में आ गया। उसकी चीख-पुकार सुनकर पास में मौजूद तीन और बच्चे वहां पहुंच गए, जिससे वे भी पंखे की चपेट में आ गए। करंट लगने से चारों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक बच्चों में मयंक (9), हिमांशी (8), हिमांक (6) और मानसी (4) शामिल हैं। बताया जा रहा है सभी आपस में सगे भाई-बहन हैं। चारों के शव देख परिजन बेहोश होकर गिरते रहे। मोहल्ले के लोग जब उनके घर पहुंचे, तो उनका भी रो-रोकर बुरा हाल हो गया। हादसे की जानकारी बारासागर थाना पुलिस को मिली।

भारत संकल्प यात्रा के दौरान लाभार्थीपरक योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करायें:डीएम

हरदोई। आज विकास भवन स्थित स्वर्ण जयंती सभागार में जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में विकसित भारत संकल्प यात्रा के आयोजन के संबंध में समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान लाभार्थीपरक योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक कर ली जाए। उपलब्धि हासिल करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया जाए। नोडल अधिकारी अपने दायित्वों का पूरी तरह से निर्वहन सुनिश्चित करें। कुल 11 एलईडी वैन में से प्रत्येक वैन एक दिन में दो ग्रामों में जाएगी। प्रधानों व कोटेदारों व अन्य ग्राम स्तरीय कर्मचारियों के साथ बैठक कर ली जाए। वैन के रूट के अनुसार कार्यक्रम की रूपरेखा तय कर ली जाए। कार्यक्रम स्थल पर राजस्व, सहकारिता, महिला एवं बाल कल्याण विभाग, बेसिक शिक्षा विभाग, बैंक, कृषि, स्वास्थ्य, पशुपालन, आपूर्ति एवं विपणन, नेहरू युवा केन्द्र आदि के प्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे। एलईडी वैन रुट वाले ग्रामों में बैठक कर ली जाए। ब्लॉक स्तर पर कार्यक्रम के संबंध में होर्डिंग लगवाई जाए। प्रत्येक कार्यक्रम स्थल पर टेन्ट आदि की व्यवस्था की जाए। कार्यक्रम के दौरान लाभार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किये जायें। अच्छा कार्य करने वाले कर्मचारियों को सम्मानित किया जाए। कार्यक्रम के प्रारंभ में माननीय प्रधानमंत्री जी के संदेश को प्रसारित किया जाए। लाभार्थियों से उनके अनुभवों के बारे में जाना जाए। रासायनिक उर्वरकों के वैकल्पिक उर्वरकों व नैनो यूरिया का प्रचार-प्रसार किया जाए। बेसिक शिक्षा विभाग विद्यालयों के बच्चो की प्रभात फेरी निकालेगा। प्रत्येक कार्यक्रम स्थल में बच्चों से सरस्वती वंदना करायी जाए। दो सांस्कृतिक कराए जाएं। प्रत्येक कार्यक्रम स्थल पर गरिमामयी ढंग से तिरंगा झंडा लगवाया जाए। बैंक प्रत्येक ग्राम में संबंधित बैंक का स्टॉल लगवाएं। बैको के स्टॉल से कृषकों की ईकेवाईसी आदि समस्याओं का समाधान कराया जाए। रोजगार व व्यवसाय के लिए ऋण प्राप्त करने वाले लाभार्थियों को भी कार्यक्रम में भागीदार बनाया जाए। किसान सम्मान निधि के कम से कम 50 लाभार्थियों की उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। पाँच प्रगतिशील किसानों को कार्यक्रम में बुलाया जाए। मृदा परीक्षण की व्यवस्था की जाए। एफपीओ के द्वारा प्रदर्शनी लगायी जाए। कार्यक्रम स्थल पर स्वास्थ्य विभाग के स्टॉल लगवाये जाएं। स्टॉल पर चिकित्सा परीक्षण की व्यवस्था की जाए। गाँव मे सैनिटरी पैड का वितरण कराया जाए। आयुष्मान कार्ड के वितरण की व्यवस्था की जाए। लाभार्थियों के अनुभवों को आमजन के साथ साझा किया जाए। पशुपालन विभाग व अन्य महत्वपूर्ण विभागों के स्टॉल भी लगवाये जाएं। कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा की पर्याप्त व्यवस्था की जाए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुरुरानी, अपर जिलाधिकारी प्रियंका सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी रोहताश कुमार व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

आपसी विवाद में युवक ने की फायरिंग,घर के बाहर खड़ी युवती को लगी

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। बीकेटी में आपसी विवाद में रविवार को युवक ने गोली चलाई। जोकि घर के बाहर खड़ी युवती को जा लगी। गोली चलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया । युवती के पिता ने इसकी सूचना बीकेटी पुलिस को दी। परिजनों ने गोली लगने से घायल युवती को इलाज के लिए निजी अस्पताल ले गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने युवती और परिजनों से जानकारी ली और मामले की जांच में जुट गई। बीकेटी थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित तकिया के परिषदीय के सामने दोपहर में दो लोगों के बीच विवाद में गोली चली। इस घटना में युवती दिलकश सिद्धकी उर्फ आफरीन उम्र लगभग 19 वर्ष के पैर में गोली लगी। स्कूटी सवार नागेंद्र प्रसाद उर्फ पिंटू यादव निवासी भैसामऊ ने बताया कि दोपहर में वह लखनऊ की तरफ से आ रहे थे। तभी उनकी स्कूटी एक हीरो होंडा मोटरसाइकिल से छू गई। मोटरसाइकिल सवार से बहस हुई जिसमें मोटरसाइकिल सवार अज्ञात व्यक्ति ने तकिया परिषदीय विद्यालय के सामने झोले से देसी कट्टा निकालकर फायर कर दिया । जिसमें गोली पास खड़ी युवती को जा लगी। लोगों ने मेरी स्कूटी से उसका पीछा किया, लेकिन वह भाग निकला। घायल युवती के पिता रईस अली निवासी तकिया बीकेटी ने लिखित तहरीर में बताया कि दोपहर करीब सवा एक बजे बेटी दिलकश सिद्धकी उर्फ आफरीन उम्र लगभग (19) घर के बाहर चौनल गेट पर खड़ी थी । इतनी देर में दो लोग जिसमें एक व्यक्ति स्कूटी पर था और दूसरा व्यक्ति होण्डा मोटर साइकिल पर था ।

युवती की हालत नाजुक, दरिंदे पकड़ से दूर

बहराइच। जरवलरोड थाना क्षेत्र निवासी युवती के साथ हुई दरिंदगी के मामले में पुलिस सीसीटीवी खंगाल रही है लेकिन असल दरिंदे पकड़ से दूर हैं। इसी के आधार पर पांच संदिग्धों को हिरासत में लेकर वारदात की कड़ी से कड़ी जोड़ने की कवायद जारी है। उधर पीड़ित युवती की हालत अभी भी नाजुक बनी हुई है और उसका इलाज मेडिकल कॉलेज में जारी है। जरवलरोड थाना क्षेत्र निवासी एक युवती से ई-रिक्शा चालक और सहयोगी ने दरिंदगी की सारी हदें पार कर दी थीं। युवती की हालत गंभीर होने पर अपराधी उसे रोडवेज बस अड्डे के पास छोड़ कर फरार हो गए थे। युवती किसी तरह मेडिकल कॉलेज पहुंची और परिजनों को आपबीती सुनाई थी। वारदात के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया था। डीआईजी एपी सिंह भी मौके पर पहुंचे थे और उन्होंने जल्द खुलासे का आदेश दिया था।

फैक्ट्री गेट के शव रखकर प्रदर्शन,मुआवजे की मांग, पुलिस ने परिजनों को समझा कर मामला कराया शांत

उन्नाव। सदर कोतवाली क्षेत्र के मगरवारा स्थित सरिया फैक्ट्री में शनिवार को काम करते समय मजदूर की हालत बिगड़ने पर जिला अस्पताल ले जाने पर मौत हो गई। परिजन शव लेकर घर चले गए। रविवार को परिजन शव लेकर फैक्ट्री गेट पर पहुंच मुआवजे की मांग को लेकर हंगामा करने लगे। सूचना पर चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और आक्रोशित लोगों को किसी तरह समझा कर कर मामला शांत कराया गया। सदर कोतवाली के थाना गांव के रहने वाले छत्तीस वर्षीय मुकेश चौकी क्षेत्र के मगरवारा स्थित एक प्रतिष्ठित सरिया फैक्ट्री में काम करता था। बताया जाता है कि शनिवार को अचानक काम के दौरान उसे सिर में दर्द उठा और उसकी हालत बिगड़ने लगी। जिस पर आनन फानन में फैक्ट्री प्रबंधन से उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। इस पर परिजन शव को लेकर घर चले आए। रविवार को परिजन ग्रामीणों के साथ शव लेकर फैक्ट्री पहुंचे और गेट के सामने शव को रख मुआवजे की मांग को लेकर हंगामा करने लगे। सूचना पर मगरवारा चौकी प्रभारी इंद्रदेव उपाध्याय मय फोर्स मौके पर पहुंचे और आक्रोशित लोगों को समझा कर किसी तरह शांत कराया। फैक्ट्री प्रबंधन के मौजूद न होने से मुआवजे को लेकर परिजनों से वार्ता नहीं हो पा रही है। बताया जा रहा है कि फैक्ट्री प्रबंधन को मामले की सूचना दे दी गई है। उनके आते ही मुआवजे को लेकर वार्ता शुरू होगी। चौकी पुलिस मौके पर मौजूद है। पुलिस का कहना है कि आक्रोशित लोगों को समझा कर शांत करवा दिया गया। मौके पर कानून व्यवस्था की कोई समस्या नहीं है।

नायब तहसीलदार की गिरफ्तारी की मांग,वामदलों ने खोला मोर्चा

प्रयाग दर्पण संवाददाता

बस्ती। जिले में नायब तहसीलदार से हुई रेप की कोशिश मामले में वामदलों ने मोर्चा खोला दिया है। डीएम कार्यालय पर प्रदर्शन कर संगठन से जुड़े नेताओं ने आरोपी राजस्व अधिकारी घनश्याम शुक्ला के गिरफ्तारी की मांग की है और मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा है। एडवा की जिलाध्यक्ष वंदना ने कहा कि भाजपा सरकार की बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना जमीनी स्तर पर विफल हो रही है। अब तो कार्यक्रम को सफल बनाने के जिम्मेदार ही शासन की मंशा को तार-तार कर रहे हैं। अयोध्या में बीते दिनों महिला कांस्टेबल की हत्या, जिले में मासूम बालिका के साथ दुष्कर्म व हत्या और अब सरकारी अधिकारी के साथ दुष्कर्म की कोशिश प्रदेश में महिलाओं की सुरक्षा पर बड़ा सवाल खड़ा करते है। माकपा वी भाकपा के नेता कामरेड शेषमनी और कामरेड अशर्फी लाल ने अल्टीमेटम देते हुए कहा कि यदि दो सप्ताह में आरोपी नायब तहसीलदार का निलंबन और गिरफ्तारी नहीं होती है तो एडवा जिलाधिकारी कार्यालय का घेराव करेगी। इस दौरान माकपा जिला कमेटी की नेता उर्मिला, भाकपा नेता राम दयाल, एडवा नेता पूनम, केके तिवारी, रंजीत, मुन्नी देवी, मिस्लावती, एडवोकेट फातिमा आदि मौजूद रहीं। नायब तहसीलदार से हुए दुष्कर्म मामले में विधान परिषद सदस्य देवेंद्र प्रताप सिंह ने आरोप लगाते हुए कहा कि आरोपी को कलक्टर और कप्तान का संरक्षण प्राप्त है। यहा मैं इसलिए कह रहा हूं कि न्यायिक मजिस्ट्रेट के सामने 364 का बयान हो गया। यह बयान नहीं आरोपी के गिरफ्तीर का पर्याप्त आधार है। आरोपी अधिकारी को बचाने का उचित प्रयास जिले के आला अधिकारी कर रहे हैं। इन अधिकारियों का यह आचरण निंदनीय है और समाज विरोधी है। कलक्टर, कप्तान जो कुछ भी कर रहे हैं, वह अपराध की श्रेणी में आता है। कहा कि महिला अधिकारी के साथ हुई घटना को मैंने प्रधानमंत्री, गृहमंत्री को ट्वीट किया है और मांग की है कि उसकी गिरफ्तारी हो जाए। जो विशाखा टीम जांच करेगी वह डीएम के दबाव में करेगी, वह जांच कप्तान के दबाव में रहेगी। बता दें कि पूरे मामले की जांच के लिए डीएम आंद्रावामसी ने तीन सदस्यीय विशाखा कमेटी बनाई थी, जिसमें सीओ रूधौली प्रीती खरवार, पीओ डूडा सुनीता सिंह, ईओ मुंडेरवा कीर्ति सिंह को जांच अधिकारी नामित किया गया था। इसे लेकर जब सीओ रूधौली प्रीती खरवार से जब बात की गई, तो उन्होंने कहा कि जांच रिपोर्ट गोपनीय है, जिसे उच्चाधिकारियों को सौंप दिया गया है। प्रकरण को लेकर डीएम आंद्रावामसी से जब बात की गई तो उन्होंने कहा कि अभी जांच रिपोर्ट नहीं मिली है, इसमें तीन दिन का समय है।

गैस सिलेंडर में लगी भीषण आग,मची अफरा तफरी

रायबरेली। जिले में खाना बनाते समय गैस सिलेंडर में भीषण आग लग गई है। आग लगने से पूरे गांव में अफरा तफरी का माहौल हो गया है। आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी मौके पर पहुंची पुलिस ने फायर विकेट की गाड़ियों को सूचना दी जब तक फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाती तब तक नगदी समय 4 लाख का सामान जलकर पूरी तरह से खाक हो गया था। पूरा मामला खीरो थाना क्षेत्र के अंतर्गत गहरी सराय गांव का बताया जा रहा है। जहां पर खाना बनाते समय अचानक आग लग गई। आग लगने से हद कम मच गया आज इतनी बड़ी की सिलेंडर से आज छप्पर तक पहुंच गई। छप्पर के नीचे बैठकर ज्ञानवती खाना बना रही थी। इस दौरान हादसा हो गया हादसे में आसपास के सैकड़ों लोग मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाने का प्रयास किया लेकिन तब तक 2 हजार रुपए नगद और दो कुंतल गेहूं करीब चार लाख का सामान पूरी तरह से जल गया। गनीमत रही कि हादसे में कोई हताहत नहीं हुई है। खीरों थाना प्रभारी ने बताया कि सूचना मिलते ही तत्काल प्रभाव से मौके पर पहुंच गए थे।

देव दीपावली में प्रज्ज्वलित होंगे 11 लाख दीपः जयवीर

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि देव दीपावली पर काशी में गंगा घाटों पर जब दीप जगमगाते हैं तो वह छटा अद्भुत होती है। ऐसा लगता है तारे जमीन पर उतर आए हैं। इस अलौकिक छटा को देखने के लिए बड़ी संख्या में देश और विदेश से मेहमान काशी आते हैं। ये नजारा इस साल 27 नवंबर को दिखेगा। इस बार देव दीपावली पर 11 लाख दियों से घाटों को रोशन किया जाएगा। इसमें 1 लाख दिए गाय के गोबर से बने होंगे। श्री सिंह ने बताया कि इस बार कार्तिक पूर्णिमा 27 नवम्बर को पड़ रही है। इसी दिन देव दीपावली मनाई जाती है। देव दीपावली पर काशी के घाटों पर करीब 11 लाख दीप जगमगाएंगे। खास बात यह कि इसमें एक लाख दीये गाय के गोबर से बने होंगे। देव दीपावली की अद्भुत छटा देखने के लिए न केवल देश बल्कि विदेशों से भी लोग आते हैं। इस वर्ष सात से आठ लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान है। काफी संख्या में लोगों ने पहले से ही होटल आदि बुक कर लिए हैं। सरकार देव दीपावली के मौके पर पर्यटकों के लिए आतिशबाजी और लेजर शो का भी इंतजाम कर रही है। लोग इसका भी भरपूर आनंद ले सकते हैं।वैसे काशी तो पर्यटकों की पसंदीदा जगह है। जहां हर सीजन में लोग भ्रमण के लिए आते है। इस बार लोग देव दीपावली से चार पांच दिन पहले से भ्रमण की प्लानिंग कर सकते हैं। क्योंकि 23 से गंगा महोत्सव शुरू हो रहा है। यह भव्य आयोजन 26 नवंबर तक चलेगा। इस बार दो स्टेज हैं, एक राजेंद्र प्रसाद घाट पर तो दूसरा राजघाट। राजेंद्र प्रसाद घाट पर सांसद सांस्कृतिक कार्यक्रम के विजेता अपनी शानदा प्रस्तुति देंगे। इसी तरह राजघाट पर वाराणसी और दूसरी जगह के कलाकार अपनी प्रस्तुति देंगे। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि देव दीपावली को और भव्य बनाने का प्रयास किया जा रहा है। पर्यटकों की सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। जरूरत के हिसाब से लगातार तैयारियां की जा रही है।

प्रयागराज में कई स्थानों पर लगी एलईडी स्क्रीन, पीवीआर में लाइव स्ट्रीमिंग

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज ।अमिताभ बच्चन स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में अभ्यास करने वाले खिलाड़ियों ने जीतेगा भाई जीतेगा, इंडिया जीतेगा के नारे लगाकर भारतीय टीम की जीत की प्रार्थना की और तिरंगा लहराया। किन्नर अखाड़े के सदस्यों ने भारतीय टीम की जीत के लिए विशेष पूजा की।अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में चल रहे क्रिकेट के महामुकाबले के लिए संगमनगरी के खेल प्रेमियों का जुनून देखते बन रहा है। शहर के चारों ओर अलग-अलग तरीके से लोग भारत को विश्व विजेता बनने की शुभकामनाएं दे रहे हैं। वहीं, पूर्व खिलाड़ियों का आकलन भी भारतीय टीम के पक्ष में दिखाई दे रहा है। संगम तट से लेकर शहर के कई खेल मैदानों पर भारतीय टीम के विश्व विजयी बनने की प्रार्थना भी की गई। शहर में सन्नाटा सा छा गया है। लोग घरों में टीवी से चिपके हैं।अमिताभ बच्चन स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में अभ्यास करने वाले खिलाड़ियों ने जीतेगा भाई जीतेगा, इंडिया जीतेगा के नारे लगाकर भारतीय टीम की जीत की प्रार्थना की और तिरंगा लहराया। किन्नर अखाड़े के सदस्यों ने भारतीय टीम की जीत के लिए विशेष पूजा की।रणजी मैचों में अपनी शानदार गेंदबाजी से सामने वाली टीम को परेशान करने वाले पूर्व क्रिकेटर आशीष विस्टन जैदी ने बताया कि भारत ने वर्ल्ड कप-2023 का पहला मुकाबला आस्ट्रेलिया से ही खेला था। वह मैच भारत ने छह विकेट से जीता था। इसमें स्पिनरों ने अहम भूमिका निभाई थी। इस बार भी पूरा माहौल भारत के पक्ष में है। हम जरूर विजेता बनेंगे।मैच देखने की विशेष तैयारियां विश्वकप क्रिकेट का फाइनल मैच देखने के लिए शहर के विभिन्न स्थानों पर विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। पीवीआर सिनेमा हॉल में जहां पूरे मैच का लाइव प्रसारण किया जा रहा है। वहीं मल्टीकूसाइन रेस्टोरेंट की ओर से बड़ी स्क्रीन पर क्रिकेट प्रेमियों को मैच दिखाया जाएगा। हालांकि रेस्टोरेंट में मैच देखने के लिए लोगों को टिकट भी लेना होगा।चांदपुर सलोरी में पीएमएस डिजिटल लाइब्रेरी में प्रोजेक्टर पर मैच दिखाया जा रहा है। परेड मैदान पर इविवि के पूर्व क्रिकेट कोच देवेश मिश्र अपने साथियों के साथ मैच देखेंगे। इसके अलावा दारागंज के निराला चौराहे पर लड्डू पंडित हलवाई और प्रभाग गुप्ता की चाय की दुकान पर बड़ी टीवी में मैच दिखाने की व्यवस्था की गई है। प्रभाग गुप्ता बताते हैं कि पूरे विश्वकप का मैच लोगों ने लाइव देखा है। भीड़ बढ़ने की स्थिति पर वह टीवी बंद कर देते थे, लेकिन फाइनल मैच में ऐसा नहीं होगा।

रिक्शा चालक को प्रर्वतन दल के जवान ने मारा,जांच कर की जाएगी कार्रवाई

वाराणसी। नगर निगम के प्रवर्तन दल के एक सदस्य का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसमें गोदौलिया चौराहे से दशाश्वमेध घाट जाने वाले रास्ते पर प्रवर्तन दल के जवान ने रिक्शा चालक को थप्पड़ मार दिया। लोग प्रवर्तन दल के रवैये की निंदा कर रहे हैं। जिससे विभाग की काफी किरकिरी हुई। हालांकि दैनिक भास्कर वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। दरअसल, गोदौलिया क्षेत्र में नगर निगम का प्रवर्तन दल अतिक्रमण हटाओ अभियान चला रहा। इस दौरान दल के सदस्य ने एक रिक्शा चालक को थप्पड़ जड़ दिया। यही नहीं जाते-जाते दो सदस्यों ने उसे धमकी भी दी। जो वीडियो में दिखाई दे रहे हैं। बताया जा रहा है कि रिक्शा चालक नो इंट्री में घुसा था। लेकिन नगर निगम के प्रवर्तन दल को कोई अधिकार नहीं है कि वह किसी भी व्यक्ति पर राह चलते हाथ उठाए। स्थानीय लोगों का कहना है कि गोदौलिया से दशाश्वमेध जाने वाले रास्ते के दोनों तरफ दुकान लगती है।

काशी में विश्व धरोहर दिवस पर लगाई प्रदर्शनी

प्रयाग दर्पण संवाददाता

वाराणसी। विश्व धरोहर दिवस के अवसर राज्य संरक्षित स्मारक गुरुधाम मन्दिर परिसर में क्षेत्रीय पुरातत्व इकाई वाराणसी के द्वारा सात दिवसीय ष्विश्व धरोहर सप्ताहष् की शुरुआत की गई। पहले दिन धरोहर विषयक छायाचित्र,अभिलेख एवं चित्रकला प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिसमें सैकड़ों लोग शामिल हुए। यह आयोजन क्षेत्रीय पुरातत्व विभाग, क्षेत्रीय अभिलेखागार, इण्टेक वाराणसी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। क्षेत्रीय पुरातत्व अधिकारी सुभाष यादव ने कहा कि विश्व धरोहर सप्ताह का आयोजन किया गया है। उन्होंने बताया कि आज हमारे विरासत पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी लगाई गई है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के अभिलेख कारागार में जो भी काशी से जुड़ी अभिलेख हैं, उसकी प्रदर्शनी लगाई गई है। उन्होंने कहा कि अगले 7 दिनों तक अलग-अलग कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अपने हेरिटेज के बारे में प्रशिक्षित करने के लिए एक जागरूकता अभियान भी चलाया जाएगा और विभिन्न स्कूलों के माध्यम से कार्यक्रम का भी आयोजन किया जाएगा। इसके अलावा अपने विरासत पर आधारित एक संगोष्ठी का भी आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि विभिन्न माध्यमों से विद्यालय के छात्रों एवं काशीवासियों को आमंत्रित किया गया है। इस प्रदर्शनी में किसी प्रकार का शुल्क नहीं लगाएगा। हर कोई इस प्रदर्शनी में शामिल हो सकता है और अपनी विरासत के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकता है। उन्होंने कहा है कि ऐसे कार्यक्रम को आयोजित करने का उद्देश्य यही है कि आज जो हमारी विरासत है, वह आगे चलकर भविष्य के निर्माण का आधार बनेगा।

संक्षिप्त समाचार

थाना फूलपुर पुलिस टीम द्वारा 01 वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

प्रयागराज । थाना फूलपुर पुलिस टीम द्वारा थाना फूलपुर पर पंजीकृत मु0अ0सं0-462/2022 धारा-380/411 भा0द0सं0 से सम्बन्धित 01 वांछित अभियुक्त राजाबाबू उर्फ अरविन्द पुत्र कल्लू निवासी मैलवन थाना फूलपुर कमिश्नरेट प्रयागराज, उम्र करीब 25 वर्ष को आज दिनांक 19.11.2023 को थाना फूलपुर क्षेत्रान्तर्गत कुसेहटा मोड़ के पास से गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तारी के पश्चात आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है ।गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण-राजाबाबू उर्फ अरविन्द पुत्र कल्लू निवासी मैलवन थाना फूलपुर कमिश्नरेट प्रयागराज, उम्र करीब 25 वर्ष ।सम्बन्धित अभियोग का विवरण-मु0अ0सं0-462/2022 धारा-380/411 भा0द0सं0 थाना फूलपुर कमिश्नरेट प्रयागराज ।गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम-1.उ0नि0 मनोज सिंह यादव, थाना फूलपुर, कमिश्नरेट प्रयागराज ।2.हे0का0 सुनील कुमार, थाना फूलपुर कमिश्नरेट प्रयागराज ।

सिपाही का ऑडियो वायरल,पेड़ कटान के लिए डीलिंग का लगा आरोप

सुलतानपुर। जिले में कूरेभार थाने में तैनात एक सिपाही का ऑडियो वायरल होने से विभाग में हड़कंप मच गया है। पेड़ कटान के लिए ऑडियो में बातचीत हो रही है। हालांकि इस ऑडियो में हुई बातचीत की यूएनएस पुष्टि नहीं करता है। वहीं इस मामले में सीओ बल्दीराय ने जांचकर कार्रवाई की बात कही है।वायरल ऑडियो में क्षेत्र निवासी आकाश व सिपाही मोहित गौड़ द्वारा पैसों की डीलिंग हो रही है, ऐसा कहा जा रहा है। कॉल रिसीव होने के बाद आकाश सिपाही से कह रहा है कि बरियौना में एक दो पेड़ हैं। दो घंटे में कट जाएगा। जिस पर सिपाही ने कहा कौन काटेगा तो जवाब मिला कि लेवर भेजकर हम कटवाएंगे। तब कहा गया कि वन विभाग वाले दिक्कत करते हैं। इस पर आकाश बोला कि उसे हम देख लेंगे। आपको क्या कर दें। तब सिपाही ने कहा कि ठेकेदार से दो हजार पच्चीस सौ लेते हैं। आकाश बोला हम दो भिजवा देंगें। ऑडियो वायरल के संबंध में क्षेत्राधिकारी बल्दीराय सौरभ सामन्त ने खुद जांच कर कार्रवाई की बात कही है।

डीएपी की कमी को लेकर सहकारी बैंक के चेयरमैन ने की जिलाधिकारी से वार्ता '

सुल्तानपुर। डीएपी की कमी को लेकर जिलाध्यक्ष डॉ आर ए वर्मा के नेतृत्व में जिला सहकारी बैंक के चेयरमैन योगेंद्र प्रताप सिंह ने जिलाधिकारी से मुलाकात कर वार्ता की उन्होंने जिलाधिकारी से बातचीत के दौरान कहा कि।इस समय सुल्तानपुर जिले का किसान डीएपी की समस्या से जूझ रहा है और डी ए पी ना मिल पाने के कारण जिले का किसान अपनी गेहूं की बोवाई ठीक ढंग से नहीं कर पा रहा है वही जिलाधिकारी कृतिका ज्योत्स्ना ने।डीएपी की कमी की जानकारी मिलने पर उक्त प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए उन्होंने शीघ्र ही एक रैक डीएपी उपलब्ध कराने की बात कही और कहा कि किसानों की समस्याओं का समाधान मेरी प्रमुखता में है। चेयरमैन किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए सतत प्रयास करते रहते हैं।इस संबंध में दूरभाष पर चेयरमैन ने कहा कि किसानों की समस्याओं का निस्तारण कराना उनका कर्तव्य है। जनपद के किसान अन्नदाता है।उनकी सभी समस्याओं को प्रशासन से मिलकर उनका समाधान कराना मेरा मुख्य प्रयास रहेगा।

वर्ल्ड कप को लेकर चाट दुकानदार की दीवानगी, जीतने पर आज पूरे दिन फ्री में खिलाएगा चाट

अमेठी। जिले में वर्ल्ड कप को लेकर एक चाट दुकानदार की गजब की दीवानगी देखने को मिली, जहां चाट दुकानदार ने अपने दुकान के बाहर इंडिया के वर्ल्ड कप जीतने पर सोमवार को लोगों को फ्री में चाट खिलाएगा। आज वर्ल्ड कप में इंडिया और आस्ट्रेलिया के बीच फाइनल मुकाबला होना है। ऐसे में पूरे देश में पूजा पाठों का दौर जारी है। लोग अलग-अलग तरीकों से भारत के लिए जीत की दुआ कर रहे हैं। अमेठी के जिला मुख्यालय गौरीगंज के हनुमान तिराहे पर चाट की दुकान लगाने वाले सुरेंद्र गुप्ता में भी इंडिया टीम के प्रति जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। सुरेंद्र गुप्ता ने इंडिया के वर्ल्ड कप जीतने पर सोमवार के पूरे दिन फ्री में लोगों को चाट खिलाने का दावा किया है। दुकानदार सुरेंद्र गुप्ता ने इंडिया के वर्ल्ड कप जीतने पर अपनी दुकान के बाहर सोमवार को फ्री चाट खिलाने का बोर्ड भी लगाया है। वही दुकानदार सुरेंद्र गुप्ता ने कहा कि इंडिया और आस्ट्रेलिया के बीच आज फाइनल मुकाबला होगा और फाइनल मुकाबले में इंडिया की जीत होगी। इंडिया के जीतने पर कल वो पूरे दिन सभी को फ्री में चाट खिलाएगा। इंडिया के वर्ल्ड कप जीतने के लिए खिलाड़ियों ने हवन-पूजन किया तो संग्रामपुर स्थित शक्तिपीठ कालिकन धाम पीठ के पीठाधीश्वर के नेतृत्व में हवन पूजन कर इंडिया के जीत के लिए दुआएं मांगी गई।

एटीएम बदलकर रुपए निकालने वाला शातिर अरेस्ट

आगरा। आगरा पुलिस ने एटीएम कार्ड बदलकर फ्रॉड करने वाले गैंग के सरगना को पकड़ा है। इसने एक दिन पहले सदर में छात्रा का एटीएम बदलकर एकाउंट से 45 हजार रुपए निकाल लिए थे। इसका गैंग कई राज्यों में सक्रिय है। पुलिस इससे पूछताछ कर रही है। डीसीपी सूरज राय ने बताया कि दो दिन पहले सदर थाना क्षेत्र के एक एटीएम में एक छात्रा रुपए निकालने गई थी। वहीं पर पहले से एक युवक मौजूद था। उसने छात्रा को बातों में फंसाकर उसका एटीएम कार्ड बदल लिया। जब छात्रा घर पहुंची तो उसके मोबाइल पर 45 हजार रुपए निकालने का मैसेज आया। पीड़िता ने सदर थाने में मुकदमा दर्ज कराया। सदर पुलिस ने एटीएम में लगे सीसीटीवी कैमरे से शातिर की फुटेज निकाली। इसके बाद पुलिस ने उसकी तलाश शुरू की। शनिवार को गोपालपुरा के एटीएम के पास पुलिस ने शातिर को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी हनीफधौलपुर का रहने वाला है। इसके पास से पुलिस ने 54 एटीएम कार्ड बरामद किए हैं। दो फर्जी आधार कार्ड व 2 मोबाइल फोन बरामद हुए हैं। शातिर ने बताया कि वो और उसके गैंग के सदस्य एटीएम में जाते हैं। वहां पर रुपए निकालने वाले लोगों का पासवर्ड देख लेते हैं। इसके बाद वो बातों में फंसाकर उनका एटीएम कार्ड बदल लेते हैं। बाद में उस एटीएम से रुपए निकाल लेते हैं। वो अपने पास लगभग हर बैंक का एटीएम रखते हैं। जैसा एटीएम होता है, वैसा एटीएम निकाल लेते हैं। शातिर बदमाश ने बताया कि वो पहले भी तीन बार जेल जा चुका है।

विश्वकप मैचे देखते समय चली गई लाइट, कॉल सेंटर में लगातार फोन करने के बाद लाइन आई

आगरा। भारत- ऑस्ट्रेलिया का मैच। सभी निगाहें टीवी पर। एक-एक बॉल और एक-एक शॉट पर नजर। हर चौके के साथ खिलते चेहरे और हर विकेट के साथ गिरती उम्मीदें। इसी बीच लाइट गायब। क्रिकेट विश्व कप मैच के दौरान आवास विकास कॉलोनी की लाइट चली गई। टोरंट के कॉल सेंटर पर फोन घनघनाने लगे।

बच्चों ने मनाया वार्षिकोत्सव,सेंट जॉन्स स्कूल में एनुअल फंक्शन में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की दी प्रस्तुति

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखीमपुर-खीरी। नगर के सेंट जॉन्स स्कूल मे वार्षिकोत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में लखनऊ डायसीस के बिशप फादर डॉ जेराल्ड जॉन मथायस तथा गोला नगर के नगर पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू, तहसीलदार गोला सुखवीर सिंह, मैनेजर फादर डेनिस डिसूजा विशिष्ट अतिथि के रूप मे कार्यक्रम मे उपस्थित रहे। वार्षिकोत्सव में स्कूली बच्चों ने एक से बढ़ कर एक सांस्कृतिक कार्यक्रमों से वहां मौजूद लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। बिशप फादर डॉ जेराल्ड जॉन मथायस, प्रिंसिपल फादर अनूप टिर्की ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शरूआत की। सांस्कृतिक कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने एक से बढ़कर एक आकर्षक प्रस्तुतियां देकर कार्यक्रम को बहुत ही यादगार बना दिया। छात्र-छात्राओ ने सामूहिक नृत्य और एकांकी नाटक प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया। छात्र-छात्राओं ने समाज के लोगों को प्रकृति के प्रति जागरूक किया। पर्यावरण, पेड़ की अंधाधुंध कटाई से हानि, पॉलिथिन के दुष्प्रभावों, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ जैसे सदेश संगीत और नाटक के माध्यम से छात्र-छात्राओं ने दिया। कार्यक्रम के दौरान फादर प्रिंसिपल अनूप टिर्की ने मुख्य अतिथि का आभार जताया। कार्यक्रम में स्कूल के छात्र - छात्राओं के अभिभावकगण और शहर के कई गणमान्य व्यक्ति कार्यक्रम को देखने के लिए समारोह स्थल पर पहुंचे और आनंद उठाया। सेंट जॉन्स स्कूल के प्रधानाचार्य फादर अनूप टिर्की ने विद्यालय की उपलब्धियां के बारे में बताते हुए कहा कि हमारा स्कूल सदैव अच्छी शिक्षा देता आया रहा है और भविष्य में भी हर संभव प्रयास किए जाएंगे जिससे कि बच्चों को शिक्षित और संस्कार दिए जाएं। पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से कार्यक्रम की थीम नेचर अवर मदर रखी गई। मुख्य अतिथि बिशप जेराल्ड जॉन मथायस ने अपने संदेश मे लोगो को पर्यावरण के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि हमे पर्यावरण के प्रति चिंतित रहना चाहिए। पिघलते हुए ग्लेशियर हम सबके लिए खतरे का संकेत है हम सभी को प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन से बचना चाहिए। पेड़ों के अंधाधुंध कटाई को लेकर हमें सचेत रहना चाहिए और उनका कटान रोकना चाहिए ताकि भावी पीढ़ी का भविष्य सुरक्षित रहे।

उमेश पाल हत्याकांड में बिरयानी विक्रेता पर 50 हजार का इनाम, नफीस की कार से ही आए थे कातिल

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज ।आरोप है कि उसके रेस्टोरेंट में अशरफ ने पैसा लगाया था। रेस्टोरेंट से होने वाली कमाई का आधा हिस्सा वह अशरफ को पहुंचाता था। वह रोशनबाग, गुलाबबाड़ी का रहने वाला है। उमेश पाल हत्याकांड में उसकी कार का इस्तेमाल होने की बात सामने आने पर पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर लंबी पूछताछ भी की थी। इसके साथ ही सिविल लाइंस स्थित उसका रेस्टोरेंट भी बंद हो गया था।उमेश पाल हत्याकांड में बिरयानी रेस्टोरेंट संचालक नफीस पर शनिवार को 50 हजार का इनाम घोषित कर दिया गया। आरोपी लंबे समय से फरार है। उस पर हत्याकांड की साजिश में शामिल होने का आरोप है। असद समेत अन्य शूटरों ने वारदात में जिस क्रेटा कार का इस्तेमाल किया, वह नफीस की ही थी।उमेश पाल हत्याकांड में बिरयानी रेस्टोरेंट संचालक नफीस पर शनिवार को 50 हजार का इनाम घोषित कर दिया गया। आरोपी लंबे समय से फरार है। उस पर हत्याकांड की साजिश में शामिल होने का आरोप है। असद समेत अन्य शूटरों ने वारदात में जिस क्रेटा कार का इस्तेमाल किया, वह नफीस की ही थी।

48 किलो गांजे के साथ तस्कर गिरफ्तार

अलीगढ़। जिले में मादक पदार्थों की तस्करी के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। इगलास थाना पुलिस ने रविवार को एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से पुलिस ने 48 किलो गांजा बरामद किया है। जिसे अलीगढ़ में सप्लाई करने के लिए लाया गया था। आरोपी को गिरफ्तार करने के साथ ही पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है। जिससे कि आरोपी के पूरे नेटवर्क का पता लगाया जा सके। पूछताछ पूरी होने के बाद आरोपी को सोमवार को कोर्ट में पेश किया जाएगा और उसे जेल भेज दिया जाएगा। इगलास थाना प्रभारी सुरेंद्र कुमार पांडेय ने बताया कि उनकी टीम को मुखबिर के जरिए सूचना मिली थी कि अलीगढ़ में सप्लाई के लिए अवैध रूप से गांजा लाया गया है। जिसके बाद उनकी टीम ने ऑपरेशन नार्को के तहत नगला अहिवासी निवासी गणेश शर्मा पुत्र शिव नारायण शर्मा को गिरफ्तार किया। आरोपी के पास से आगरा नंबर की स्विफ्ट कार (यूपी80 सीटी 8282) बरामद हुई है। जिसमें अवैध गांजा रखा हुआ था। आरोपी इस गांजे की सप्लाई जिले के विभिन्न इलाकों में करने वाला था। जिसके बाद पुलिस ने तत्काल आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार इस गांजे की सप्लाई जिले में होने से पहले ही उन्होंने कार्रवाई कर दी है। पकड़े गए आरोपी गणेश शर्मा पुत्र शिव नारायण शर्मा का पुराना अपराधिक इतिहास है। आरोपी के खिलाफ इगलास थाने में ही 4 नामजद मुकदमें दर्ज हैं, जिसमें एनडीपीएस और चोरी जैसे मामलों के साथ गैंगस्टर एक्ट भी शामिल है। इससे पहले भी आरोपी कई बार जेल जा चुका है। अब पुलिस उसके सारे नेटवर्क का पता लगाने में जुटी है। आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम में इंस्पेक्टर इगलास सुरेंद्र कुमार पांडेय, एसआई जितेंद्र बालियान, एसआई योगेंद्र सिंह, हेड कांस्टेबल पुष्पेंद्र सिंह, कांस्टेबल कुंवरपाल सिंह और महिला कांस्टेबल नेहा शामिल रही।

चोरी हुई टंकी उद्यान विभाग के गोदाम में मिली, ढाई महीने से थी गायब

आगरा। ढाई महीने पहले पालीवाल पार्क से जो पानी की टंकी चोरी हुई थी। उद्यान प्रहरियों का दावा है कि टंकी उद्यान विभाग के ही गोदाम में रखी हुई थी। जबकि उद्यान विभाग के अधिकारियों का कहना है कि टंकी चोरी नहीं हुई थी। टंकी को चोरों से बचाया गया है। गोदाम में उसे रखा हुआ था। पालीवाल पार्क में 2016 में स्वर्गीय विधायक जगन प्रसाद गर्ग की विधायक निधि से पानी की टंकी रखी गई थी। लगभग ढाई महीने पहले उद्यान प्रहरियों ने पानी की टंकी गायब होने की शिकायत की। पूर्व उद्यान निरीक्षक से भी शिकायत की। उद्यान निरीक्षक ने मुकदमा दर्ज करने को कहा। उद्यान प्रहरी टंकी ढूंढते रहे। शनिवार को उन्हें सफलता मिली और उद्यान विभाग के गोदाम में ही टंकी मिल गई। इस संबंध में टंकी ढूंढने वाले ग्रीन क्लब के अरुण भारतीय ने कर्मचारियों से सवाल किए। कर्मचारियों ने संतोषजनक जवाब नहीं दिए। रविवार सुबह उद्यान प्रहरी कमल राज गुप्ता ने वीडियो जारी किया है, जिसमें टंकी अपने निर्धारित स्थान पर रखी दिख रही है। उद्यान प्रहरी प्रदीप खंडेलवाल का कहना है कि पानी की टंकी के साथ ही पार्क में लगी लाइटें भी गायब हो जाती हैं।

प्राकृतिक चिकित्सा दिवस पर निकाली रैली

प्रयाग दर्पण संवाददाता

आगरा। राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा दिवस पर फाउंड्री नगर में स्कूली बच्चों ने रैली निकालकर लोगों को जागरूक किया। शिवानी योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान फाउंड्री नगर और आदर्श विद्या मंदिर के संयुक्त तत्वावधान में प्राकृतिक चिकित्सा जागरूकता यात्रा निकाली गई। प्राकृतिक चिकित्सा से संबंधित नारे लगाए। लोगों को जीवनशैली में बदलाव के लिए प्रेरित किया। यात्रा में बच्चों ने प्राकृतिक चिकित्सा से संबंधित स्लोगन लिखी हुई पट्टिकाओ द्वारा लोगों को प्राकृतिक जीवन शैली व योग को अपनाने और पर्यावरण को स्वच्छ रखने के संदेश दिए। लोगों को बताया गया कि किस तरह से गंभीर से गंभीर बीमारी को प्राकृतिक चिकित्सा द्वारा दूर किया जा सकता है। और अपनी जीवन शैली को बदलकर हम एक निरोगी शरीर और जीवन के साथ लंबे समय तक दीर्घायु रह सकते हैं। राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा दिवस का स्मरण उत्सव प्राकृतिक चिकित्सा के बारे में जागरूकता पैदा करने के महत्व पर जोर देने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है। स्वास्थ्य देखभाल के लिए यह समग्र दृष्टिकोण व्यक्तियों को स्वास्थ्य को बनाए रखने और बहाल करने के लिए प्राकृतिक और गैर- आक्रामक तरीकों का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित करता है। जानकारी और समझ को बढ़ावा देकर, उत्सव का उद्देश्य व्यक्तियों को स्वस्थ जीवन शैली के मार्ग के रूप में प्राकृतिक चिकित्सा के सिद्धांतों को अपनाते हुए, उनकी भलाई के बारे में सूचित विकल्प चुनने के लिए सशक्त बनाना है। इस जागरूकता यात्रा में लोगों को प्राकृतिक चिकित्सा के संबंध में जानकारी दी गई। साथ ही लोगों ने इस यात्रा की सराहना भी की। इस कार्यक्रम के संयोजक शिवानी योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान के प्रबंधक डॉ. प्रदीप कुमार सिंह व आदर्श विद्या मंदिर के प्रबंधक दुर्गेश कुमार सिंह, प्रधानाचार्य संजू सिकरवार ने बच्चों को संबोधित किया।

इंदिरा मैराथन को खेल मंत्री ने हरी झंडी दिखाकर किया

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज । रवाना, 49 महिला समेत 394 धावक ले रहे हिस्सा धावकों ने आनंद भवन से दौड़ की शुरुआत की है और इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद हाईकोर्ट, सीएमपी डिग्री कॉलेज, नए यमुना पुल होते हुए दांदूपुर स्थित भारत पेट्रोल पंप तक जाएंगे। वहां से वापसी मार्ग होते हुए धावक मदन मोहन मालवीय स्टेडियम स्थित समापन स्थल पर पहुचेंगे। जहां प्रथम विजेता बनने वाले धावक को दो लाख रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा।38वीं अखिल भारतीय प्राइज मनी इंदिरा मैराथन का रविवार को आनंद भवन से आगाज हुआ। खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री गिरीश चंद्र यादव ने आसमान में गुब्बारे छोड़कर धावकों को दौड़ने के लिए हरी झंडी दिखाई। मैराथन में इस बार कुल 394 धावक हिस्सा ले रहे हैं, जिसमें 345 पुरुष व 49 महिला धावक शामिल हैं। वहीं, मैराथन में इस बार बाहरी धावकों की संख्या भी बढ़ी है।धावकों ने आनंद भवन से दौड़ की शुरुआत की है और इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद हाईकोर्ट, सीएमपी डिग्री कॉलेज, नए यमुना पुल होते हुए दांदूपुर स्थित भारत पेट्रोल पंप तक जाएंगे। वहां से वापसी मार्ग होते हुए धावक मदन मोहन मालवीय स्टेडियम स्थित समापन स्थल पर पहुचेंगे। जहां प्रथम विजेता बनने वाले धावक को दो लाख रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा।दूसरे स्थान के धावक को एक लाख रुपये और तीसरे नंबर के धावक को 75 हजार रुपया का इनाम दिया जाएगा। चार से 14 स्थान तक के धावकों को दस-दस हज़ार रुपये की सांत्वना राशि मिलेगी। मैराथन में पहली बार सभी धावकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक भी किया गया है। इसके तहत उन्हें टीशर्ट और टोपी भी वितरित जा रहा है।मैराथन का समापन समारोह दोपहर दो बजे होगा, जहां मुख्य अतिथि के रूप में खेल राज्य मंत्री विजेताओं को पुरस्कृत करेंगे। इस मौके पर खेल निदेशक आरपी सिंह समेत कई अन्य अधिकारी बतौर विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। समापन समारोह में विभिन्न स्कूलों की छात्राएं सांस्कृतिक कार्यक्रम भी पेश करेंगी।

इंदिरा मैराथन : चैंपियन जसवंत बोले, पहली बार लगाई है दौड़, जीतने से बढ़ा हौसला

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज । सेना में नौकरी पाने के बाद कोच रंजन ने जसवंत को दौड़ने की सलाह दी, जिसपर उन्होंने अमल किया। दस किलोमीटर की दौड़ में आर्मी के लिए कई पदक जीतने वाले जसवंत से जब मैराथन की तैयारी करने कि लिए कहा गया तो वह तैयार ही नहीं हुए।फिरोजाबाद के रहने वाले जसवंत बघेल ने किसी भी तरह की मैराथन में पहली बार हिस्सा लिया है। अपनी पहली ही मैराथन में विजेता बनने वाले जसवंत ने आर्मी की तैयारी की थी। सेना में नौकरी पाने के बाद कोच रंजन ने उन्हें दौड़ने की सलाह दी, जिसपर उन्होंने अमल किया। दस किलोमीटर की दौड़ में आर्मी के लिए कई पदक जीतने वाले जसवंत से जब मैराथन की तैयारी करने कि लिए कहा गया तो वह तैयार ही नहीं हुए।इसके बाद दोस्तों ने बताया कि इस इवेंट में सफलता के अधिक मौके होते हैं तो जसवंत ने मैराथन दौड़ने का फैसला कर लिया। महज तीन महीने पहले तैयारी शुरू की और ऐसी तैयारी की कि चैंपियन बन गए। मैराथन जीतने के बाद जब उन्होंने पिता रामशंकर और रामादेवी को इसकी जानकारी दी, तो वह भी खुशियों से उछल पड़े। जसवंत ने बताया कि उन्होंने प्रयागराज के बारे में काफी सुन रखा था। पहली मैराथन इस धार्मिक शहर से जीतने का एक अलग ही अनुभव है।बुगाथा श्रीनू - अपने प्रदर्शन से खुश नहीं दिखे श्रीनू, जीता एक लाख का पुरस्कारआंध्र प्रदेश के विजयनगर में स्थित गजपतिनगरम में धान के खेतों से दौड़ना शुरू करने वाले धावक बुगाथा श्रीनू अपने प्रर्दशन से संतुष्ट नहीं रहे। ओलंपिक की तैयारियों को मजूबत करने के लिए इंदिरा मैराथन में पहली बार दौड़ लगाने वाले श्रीनू ने पिछले वर्ष दिल्ली मैराथन में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए दो घंटे 14 मिनट और 59 सेकंड में दौड़ को पूरा किया था। इस बार भी वह दिल्ली और मुंबई मैराथन के सहारे ओलंपिक में जगह बनाने के अपने सपने को साकार करने के लिए दौड़ेंगे।इंदिरा मैराथन में वह अपनी तैयारियों को परखने के लिए आए थे, लेकिन उन्होंने यहां पर अपनी दौड़ पूरी करने में कुल दो घंटे 21 मिनट और 56 सेकेंड का समय लिया। श्रीनू का कहना है कि वह अपनी दौड़ को दो घंटे 15 मिनट में ही पूरा करना चाहते थे। किसान परिवार में जन्मे श्रीनू के पिता सत्यम ने उनका हौसला बढ़ाया है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक, प्रकाशक स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य) द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1-ए, बेली रोड, नया कटरा, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर, 1269/1073 मां श्री आश्रम, मालवीय नगर, बाबा जी का बाग, प्रयागराज से प्रकाशित। संस्थापक :-स्व0 श्रीकांत शुक्ल उर्फ स्वामी कांतेश्वरानंद भारती काली बाबा ।संपादकः-स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य)। मोबाइल नंबर 9450475366 Email :- prayagdarpan@gmail.com, R.N.I. NO.UPHIN/2014/59804 इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदाई तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।